卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐जय माता दी卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 25 ♦अंक 50 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦मंगलवार ♦26 नवम्बर 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

हादसे में तीन युवकों की मौत, दो घायल

देर रात सुभाष चौक के पास अनियंत्रित होकर पलटी तेज रफ्तार कार

काशीपुर/जसपुर(उद संवाददाता)। गंभीर तरीके से घटित सड़क हादसे में देर रात जसपुर के तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि दो गंभीर रूप से घायल हुए जिन्हें उपचार के लिए मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर उसे पीएम हाउस भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद मृतकों के शव परिजनों के हवाले कर दिया गया। अचानक घटी घटना को लेकर मृतक परिवार में कोहराम मचा है। जानकारी के मुताबिक चांद मस्जिद रहमत नगर जसपुर निवासी शाहरुख आमिर खालिद फैज व नसीम रात्रि लगभग 11बजे कार संख्या यूपी 12एई 3355 में सवार होकर सैर-सपाटा करने निकले थे। पता चला है कि इस दौरान सुभाष चौक से पहले पेट्रोल पंप के निकट तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गये। हादसे में शाहरुख, आमिर और खालिद ने मौके पर दम तोड़ दिया जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। जसपुर पुलिस को जैसे ही मामले की जानकारी कोतवाल के अलावा एसएसआई जावेद (शेष पृष्ठ सात पर)

संविधान दिवस पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने निकाली पद यात्रा

देहरादून (उद संवाददाता)। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने संविधान दिवस के मौके पर स्कूल के बच्चों को संविधान संवत् रहने की शपथ दिलाई। इसके साथ ही देश और प्रदेश की प्रगति में योगदान देने की अपील की। संविधान दिवस के अवसर पर

मंत्री रेखा आर्या देहरादून के पवेलियन ग्राउंड से पद यात्रा शुरू कर घंटा घर स्थित बाबा साहब भीम राव अंबेडकर पार्क पहुंची। जहां उन्होंने बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद देश की युवा पीढ़ी को संविधान की शपथ (शेष पृष्ठ सात पर)

मकान बेचने के नाम पर 7.30 लाख की ठगी

काशीपुर(उद संवाददाता)। मकान बेचने के नाम पर साढ़े सात लाख रुपयों की धोखाधड़ी किए जाने के एक हैरतअंगेज मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर एक ही परिवार के चार लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया है। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर शिव गौरी बिहार निवासी प्रियंका देवी पत्नी पवन सिंह ने बताया कि बीते जनवरी माह में शिव गौरी बिहार ढकिया गुलाबो टांडा उज्जैन निवासी सोमपाल के पुत्र मोहित उसकी पत्नी बबीता एवं पुत्री निक्की के अलावा नीरज देवी पत्नी सुमित निवासी उपरोक्त ने आपस में एक राय होकर शिकायतकर्ता से मकान का सौदा 7:30 लाख रूपयों में तय कर लिया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब बैनामा कराने की बारी आई तो विक्रेता पक्ष वादा खिलाफी करने लगे। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि रकम वापस मांगने पर उपरोक्त चारों द्वारा उसे गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस में तहरीर के आधार पर मुख्य आरोपी उसकी मां व बहन समेत चार के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

सशक्त भू कानून की मांग को लेकर कई संगठन मुखर

देहरादून (उद संवाददाता)।सशक्त भू-कानून और मूल निवास की मांग को लेकर मूल निवास भू कानून समन्वय संघर्ष समिति के साथ कई संगठन मुखर हो गये। मंगलवार को आमरण अनशन के लिए शहीद स्मारक जा रहे संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी को पुलिस ने रोक दिया। पुलिस ने शहीद स्मारक के गेट पर ताला भी लगा दिया । इसे लेकर गुस्साए लोगों ने प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। वहीं मोहित डिमरी शहीद स्मारक के गेट के बाहर ही भूख हड़ताल पर बैठ गये। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ नोक झोंक भी हुयी। मूल निवास, भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति ने मंगलवार से शहीद स्मारक पर आमरण

अनशन शुरु करने का एलान किया था। समिति को महिला मंच और राज्य आंदोलनकारी मंच सहित कई संगठनों ने अपना समर्थन दिया है। समिति का कहना है कि भूमि कानूनों में हुए संशोधनों को रद्द किया जाए।इसे आमरण अनशन के लिए आज मोहित डिमरी तमाम समर्थकों के साथ शहीद स्मारक जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया और स्मारक के गेट पर ताला लगा दिया। जिसके बाद मनोज डिमरी और सहित तमाम लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस से नोक झोंक भी हुयी। संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार मजबूत भू-कानून को लेकर गंभीर नहीं है। सरकार बजट सत्र में भू-कानून लाने की बात कर रही है, लेकिन किस तरह का भू-कानून सरकार लाएगी, स्थिति स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि 2018 के बाद भूमि कानूनों में हुए सभी संशोधनों को अध्यादेश के जरिये रद्द किया जाय। उन्होंने कहा कि भूमि कानून की धारा -2 को हटाया जाए। इस धारा की वजह से नगरीय क्षेत्रों में गांवों के शामिल होने से कृषि भूमि खत्म हो रही है। 400 से अधिक गांव (शेष पृष्ठ सात पर)

तमंचा और कारतूस सहित दो बदमाश गिरफ्तार

काशीपुर (उद संवाददाता)। वाहनों की चेकिंग एवं अवैध शस्त्रों की बरामद की को लेकर चलाए अभियान के दौरान आईटीआई थाना पुलिस ने दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई। दोनों के कब्जे से पुलिस को चोरी की एक बगैर नंबर की मोटर साइकिल, दो अवैध तमंचे तथा जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। गिरफ्तार बदमाशों से जरूरी पूछताछ के बाद पुलिस द्वारा उन्हें जेल रवाना कर दिया गया। कार्यवाही के बारे में पता चला है कि एसएसपी के निर्देश पर पुलिस टीम क्षेत्र में वाहनों की सघन जांच पड़ताल एवं अवैध शस्त्रों की बरामदगी को लेकर अभियान चलाए हुए थी इसी दौरान द्रोणा सागर टीले के पास से होकर मोटर साइकिल पर फर्राटा भरते हुए दो संदिग्ध युवकों को पुलिस ने शक के आधार पर रोक लिया। पुलिस की कड़ी पूछताछ में दोनों ने अपना नाम चौती गांव थाना आईटीआई निवासी रोहित पुत्र मनीपाल तथा दूसरे ने ग्राम हल्दुआ थाना कुंडा निवासी संजय पुत्र गुलशन कुमार बताया। जामा तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से पुलिस को बगैर नंबर की टीवीएस स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल के अलावा 12 बोर एवं 315 बोर के दो अवैध तमंचे तथा जिंदा कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार बदमाशों से जरूरी पूछताछ के बाद पुलिस द्वारा उन्हें जेल रवाना कर दिया गया। खुलासा करने वाली पुलिस टीम में प्रकाश सिंह के अलावा कांस्टेबल अनुज त्यागी, सुरेंद्र कंबोज व विजय सिंह शामिल रहे।

जनहित के मुद्दों पर फिर गुस्से से लाल हुए कांग्रेसी

निगम परिसर में धरना प्रदर्शन, सरकार विरोधी नारे लगाए

काशीपुर(उद संवाददाता)। जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज एक बार फिर नगर निगम परिसर में धरना प्रदर्शन करते हुए सरकार विरोध ी नारे लगाए। कांग्रेसियों ने 6 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन आयुक्त के माध्यम से निगम प्रशासन को भेजकर अविलंब कार्यवाही की मांग किया। कांग्रेसियों ने तल्ख लहजे में चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर समय रहते गौर नहीं किया गया तो भविष्य के परिणाम गंभीर होंगे। जिलाधिकारी उदय राज सिंह (प्रशासक नगर निगम) को भेजे ज्ञापन में कांग्रेसियों ने कहा कि लक्ष्मीपुर माइनर का निर्माण कार्य अवरुद्ध होने से जल निकासी की

समस्या गंभीर हो चुकी है। इसलिए इस नहर का निर्माण कार्य अविलंब शुरू किया जाए इसके अलावा शहर के प्रत्येक गली मोहल्लों में आवारा पशुओं का तेजी से प्रकोप बढ़ता जा रहा है। आवारा पशुओं से अब तक कई गंभीर दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। इसी तरह प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यह भी मांग किया की समस्त वार्डों में सफाई व्यवस्था सुचारू की जाए, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने में हो रही असुविधा को खत्म किया जाए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि मच्छरों का प्रकोप बढ़ने के कारण डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों (शेष पृष्ठ 7 पर)

कप्तान से सवाल पूछना पत्रकार को भारी पड़ा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सार्वजनिक कार्यक्रम में एसएसपी मणिकांत मिश्रा से सवाल पूछना एक पत्रकार को भारी पड़ गया। सवाल पूछने के कुछ देर बाद ही पुलिस पत्रकार के पीछे लग गयी और उसकी बाईक को सीज कर उसे जब्त कर लिया। घटना से पत्रकारों में रोष है। जानकारी के अनुसार सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने डीडी चौक के पास यातायात चौपाल का आयोजन किया था। इसमें उन्होंने वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के साथ ही कई लोगों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के दौरान जब एसएसपी पत्रकारों को जानकारी दे रहे थे तभी पत्रकार महेन्द्र मौर्य ने अवैध रूप टैम्पों स्टैंड का संचालन कर रहे व्यक्ति को सम्मानित करने के सम्बंध में सवाल पूछ लिया। जिससे एसएसपी मणिकांत मिश्रा भड़क गए। कप्तान ने न सिर्फ पत्रकार को अलग बुलाकर हड़काया बल्कि यहां तक कह दिया कि मीडिया को सवाल पूछने का अधिकार नहीं है। वह जो कहेंगे (शेष पृष्ठ सात पर)

कोसी नदी में मशीनों से खनन के खिलाफ प्रधानों का प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। निकटवर्ती ग्राम हाथीकुण्डा, रामजीवन पुर, लक्ष्मीपुर, मडैया बक्शी, रतनपुरा, सरकड़ा, मेहतावन तहसील बाजपुर के अनेक प्रधानों व ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कोसी नदी में स्वीकृत खनन पट्टे पर मशीनों द्वारा खनन पर प्रतिबंध लगाने के आदेश पारित करने की मांग की। रोषित प्रधानों का कहना है कि माइनिंग कम्पनी के द्वारा जो बबलू गेट कोसी नदी में माइनिंग का पट्टा स्वीकृत किया गया हैं उसमे जेसीबी व पॉकलेन मशीनो द्वारा खनन

करने की मंशा है। जिस स्थान पर पट्टा स्वीकृत किया गया है उस से 100 मीटर की दूरी पर कोसी बांध स्थित हैं। मशीनों द्वारा खनन होने से कोसी बांध को बढ़ का खतरा हैं।उक्त बांध के समीप ग्राम राम जीवन पुर, मडैया बस्थी, हाची कुण्डा, रतनपुरा, सरकड़ा मेहतावन, लक्ष्मी पुर आदि गांव स्थित हैं।मशीनो द्वारा खनन होने से पानी का जलस्तर कम हो जायेगा। जिससे आस-पास के गांव में जल संकट का खतरा हो जायेगा। मशीनों से खनन न कराकर मजदूरों द्वारा खनन की अनुमति होनी चाहिये। जिस से आस-पास के गांव के लोगो व मजदूर वर्ग को रोजगार भी प्राप्त भी होगा। प्रदर्शन करने वालों में प्रधान परमजीत कौर, सरोज, किशन सिंह, सरजीत सिंह, रघुवीर सिंह, राजन पांडे, संजीव तोमर, बंटी कुमार, गुरविंदर सिंह, शबाना खातून आदि शामिल थे

नए डीजीपी ने संभाली उत्तराखंड पुलिस की कमान

राज्य की कानून व्यवस्था को पारदर्शी और जनहितैषी बनाने की जरूरत : दीपम सेठ

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने सचिवालय में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से भेंट की। इस दौरान मुख्य सचिव ने डीजीपी को शुभकमनायें देते हुए महिला व बाल अपराध पर विशेष फोकस देने के लिए चर्चा की। । इसके अलावा चुनौती बन चुके साइबर अपराध व नशा तस्करों पर कार्रवाई करने को कहा। इस दौरान डीजीपी ने कहा कि महिला व बाल अपराध पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उत्तराखंड के 13वें पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने पदभार संभालने के बाद कहा कि हमारे पास सक्षम व प्रोफेशनल फोर्स है। मेरी खुशकिश्मती है कि मुझे नेतृत्व करने का मौका मिला है। सोमवार को मीडिया से वार्ता के दौरान अपनी प्राथमिकता गिनाते हुए डीजीपी ने कहा कि कानून का पालन करने वालों का पुलिस पर भरोसा बना रहे, और अपराधियों के मन में पुलिस का भय बना रहे, यह मेरी प्राथमिकता रहेगी। अपराध पर नियंत्रण करना, जांच की मानिटरिंग और महिला व बच्चों की सुरक्षा भी प्राथमिकता में शामिल हैं। नवनियुक्त डीजीपी ने कहा कि उत्तराखंड को नशामुक्त करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को आगे बढ़ाते हुए सीमावर्ती राज्यों से समन्वय बनाया जाएगा। नशे का नेटवर्क खत्म करने के लिए पुलिस विभाग पूरे लग्न से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में साइबर अपराध बड़ी चुनौती बन चुका है। साइबर अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने के लिए विभिन्न राज्यों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। वहीं उत्तराखंड में आपदा प्रबंधन बड़ी चुनौती है। यहां पर विषम भौगोलिक परिस्थिति है, जिसके लिए आपदा प्रबंधन का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इसके लिए एसडीआरएफ को और प्रशिक्षित किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि उत्तराखंड में बड़े धार्मिक व पर्यटन स्थल हैं। यहां देश विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम बनी रहे, इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाएगी। उत्तराखंड से चीन व नेपाल सीमा लगती है, जहां संवेदनशीलता बनी रहती है। ऐसे में

सीमाओं पर चौकसी रखी जाएगी। केंद्रीय एजेंसियों से समन्वय बनाकर मानव तस्करी को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे। डीजीपी ने कहा कि देहरादून में यातायात समस्या चुनौती बनी हुई है। जिला प्रशासन की ओर से सड़क सुरक्षा को लेकर समय-समय पर निर्णय लिए जाते हैं। भविष्य में यातायात की समस्या को दूर करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी। दीर्घकालीन योजना बनाकर यातायात समस्या दूर करने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए शासन के साथ समन्वय बनाया जाएगा। वहीं बढ़ रहे सड़क हादसों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि हमारे जवान देश की रक्षा के लिए सीमा पर तैनात रहते हैं जबकि उनके परिवार अकेले जीवन यापन करते हैं। ऐसे में जवानों के परिवार की समस्या का प्राथमिकता के तौर पर हल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में पूर्वसैनिक रहते हैं, उनकी समस्याओं का हल करना भी पुलिस की प्राथमिकता में रहेगा। दीपम सेठ का जन्म यूपी के शाहजहांपुर में हुआ। उन्होंने 12वीं तक की शिक्षा शेरवुड कॉलेज नैनीताल से हासिल की। इसके बाद बिट्स पिलानी से इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। सेठ वर्ष 1995 में भारतीय पुलिस सेवा के लिए चयनित हुए। वर्ष 1997 में ओस्मानिया विवि से पुलिस प्रबंधन में मास्टर्स की डिग्री और 2022 में आईआईटी रुड़की से पीएचडी की। प्रमुख नियुक्तियां एसपी टिहरी, कमांडेंट पीएसी (मेरठ), संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन कोसोवो में उन्हें प्रोजेक्ट मैनेजर बनाया गया। इसके बाद एसएसपी नैनीताल और डीआईजी गढ़वाल रेंज रहे। मुख्यालय में आईजी कानून व्यवस्था और पुलिस आधुनिकीकरण की जिम्मेदारियां संभाली। वर्ष 2019 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर गए। वहां उन्हें आईटीबीपी में नॉर्थ वेस्ट फ्रंटियर का आईजी बनाया गया। यहां आने से पहले वह एडीजी एसएसबी की जिम्मेदारियां संभाल रहे थे। 1996-भूमानंद मिश्रा मेमोरियल ट्रॉफी और एस्पीरेट डी कॉप्स मेडल। 2004-कोसोवो में सेवा के लिए संयुक्त राष्ट्र पदक। 2011-सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक और 2021 में विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक। 2020 व 2021-डीजी इंसिग्निया एंड कमेंडेशन रोल में सिल्वर और गोल्ड मेडल। 2021-लद्दाख में सेवा के दौरान हाई एल्टीट्यूड मेडल, पुलिस स्पेशल ड्यूटी मेडल और ऑपरेशन स्नो लियोपर्ड के लिए गृह मंत्री का स्पेशल ऑपरेशन मेडल से नवाजा गया है।

निकाय चुनाव : राजभवन से अध्यादेश को मंजूरी के बाद जारी होगी अधिसूचना

देहरादून। स्थानीय निकाय चुनाव के लिए कसरत भले ही अंतिम दौर में हो, लेकिन जैसी परिस्थितियां हैं, उनमें 25 दिसंबर तक चुनाव के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। अभी तक नगर निकायों में ओबीसी आरक्षण का निर्धारण नहीं हो पाया है और कहा जा रहा है कि इसमें कुछ और वक्त लगेगा। इस सिलसिले में नगर पालिका व नगर निगम अधिनियम में संशोधन के दृष्टिगत सरकार अध्यादेश ला रही है, जिस पर राजभवन की हरी झंडी की प्रतीक्षा है। इस पूरे परिदृश्य के बीच निकाय चुनाव अब अगले साल जनवरी या फरवरी तक खिसक सकते हैं। प्रदेश में वर्तमान में क्रियाशील स्थानीय नगर निकायों की संख्या 105 है, जिनमें से बदरीनाथ, केदारनाथ व गंगोत्री में चुनाव नहीं होते। शेष 102 निकायों में चुनाव के दृष्टिगत परिसीमन, निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण और मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण कार्य हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार निकायों में ओबीसी (अदर बैकवर्ड क्लास) के लिए आरक्षण का नए सिरे से निर्धारण होना है। इस संबंध में गठित एकल समर्पित आयोग अपनी रिपोर्ट भी शासन को सौंप चुका है। ओबीसी आरक्षण निधरिण के सिलसिले में पूर्व में सरकार ने अध्यादेश के जरिये निकाय अधिनियम में संशोधन किया था। जब यह अध्यादेश विधेयक के रूप में विधानसभा के सत्र में रखा गया तो नगर निगम अधिनियम पारित नहीं हो पाया था। फिर यह प्रकरण विधानसभा की प्रवर समिति को सौंप दिया गया। प्रवर समिति ने इस विषय पर अध्ययन जारी रखने के साथ ही संस्तुति की कि वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर निकाय चुनाव कराए जाएं। इसके कुछ समय बाद सरकार ने ओबीसी आरक्षण निर्धारण के दृष्टिगत फिर से निकाय अधिनियम में संशोधन अध्यादेश राजभवन भेजा।यही नहीं, इस बीच विधानसभा की केदारनाथ सीट के उपचुनाव की आचार संहिता के चलते निकाय चुनाव की कसरत अटक गई। सूत्रों के मुताबिक अध्यादेश को राजभवन से मंजूरी की प्रतीक्षा है। इसके पश्चात आरक्षण नियमावली में भी संशोधन होना है। सूत्रों ने बताया कि यदि इस माह के आखिर तक अध्यादेश व नियमावली को मंजूरी मिल भी गई तो फिर आरक्षण निर्धारण में समय लगेगा। ओबीसी आरक्षण का निर्धारण होने के बाद इस पर आपत्तियां व दावे प्राप्त करने और फिर इनके निस्तारण में कम से कम एक सप्ताह का समय लगेगा। फिर पदों के आरक्षण के संबंध में यही प्रक्रिया होगी। ऐसे में निकाय चुनाव की अधिसूचना 15 दिसंबर के आसपास ही जारी होने की संभावना है। पूर्व में शासन ने हाईकोर्ट में चल रहे मामले में साफ किया था कि 25 दिसंबर तक निकाय चुनाव करा लिए जाएंगे, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह संभव नहीं दिख रहा।

अभिनव कुमार को एडीजी जेल की जिम्मेदारी

देहरादून। कार्यवाहक डीजीपी पद से अवमुक्त होने के बाद एडीजी अभिनव कुमार को जेल विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें एडीजी जेल बनाया गया है। इसके अलावा दो और आईपीएस अधिकारियों के ट्रांसफर किए गए हैं। इनमें विमला गुंज्याल को आईजी विजिलेंस बनाया गया, जबकि एसएसपी विजिलेंस रहे धीरेंद्र गुंज्याल को वहां से हटाते हुए बाध्य प्रतीक्षा में रखा गया है। गुंज्याल जनवरी में डीआईजी पद पर पदोन्नत होंगे। बता दें कि जेल मैन्युअल के अनुसार, जेल विभाग में आईजी का पद आईएएस अफसर का होता है, मगर, 15 दिसंबर 2014 को कुख्यात अमित भूरा के पुलिस अभिरक्षा से फरार होने के बाद इस व्यवस्था को बदल दिया गया था।उस वक्त सरकार ने आईजी जेल की जिम्मेदारी आईपीएस अधिकारी को देने का निर्णय लिया और पहली बार आईपीएस पीवीके प्रसाद आईजी जेल रहे। एडीजी पद पर पदोन्नत होने के बाद भी प्रसाद पद पर रहे, लेकिन बाद में यहां आईजी रैंक के अधिकारी को ही तैनात कर दिया गया। वर्तमान में आईपीएस विमला गुंज्याल आईजी जेल के पद पर थीं। ऐसे में अब एडीजी अभिनव कुमार को यह जिम्मेदारी दी गई है। गौरतलब है कि एडीजी अभिनव कुमार का कार्यवाहक डीजीपी के पद पर कार्यकाल 11 महीने 24 दिन का रहा। उन्हें आईपीएस अशोक कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद यह जिम्मेदारी दी गई थी।

मल्ला रामगढ में गेस्ट हाउस और बस अड्डे के जीर्णोद्धार के लिए सीएम को सौंपा पत्र

देहरादून/नैनीताल(उद संवाददाता)। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री व नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद श्री अजय भट्ट ने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड नैनीताल का मल्ला रामगढ में गेस्ट हाउस के सौन्दर्यकरण कार्य कार्य किए जाने और ब्रिटिश काल में बने बस अड्डे के जीर्णोद्धार किए जाने का आग्रह किया है। श्री भट्ट मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात करते हुए पत्र भी सौंपा। उन्होंने पत्र के माध्यम से भी अवगत कराते हुए कहा कि उनके द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान क्षेत्रीय जनता द्वारा अवगत कराया गया की मल्ला रामगढ़ में लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस हालत बेहद खराब है, इसी प्रकार ब्रिटिश काल में बना बस अड्डा भी आवारा जानवरों का अड्डा बना हुआ है। जिस पर मैंने स्वयं निरीक्षण किया। मेरे निरीक्षण के दौरान पाया गया कि ब्रिटिश काल में बेहद सुंदर और आकर्षक बना लोक निर्माण विभाग का गेस्ट हाउस आज बेहद ही जर्जर है जो लम्बे समय से जीर्णक्षीर्ण अवस्था में पड़ा हुआ है। इस वजह से ना इस गेस्ट हाउस में अधिकारी रुक पाते हैं ना ही कोई जनप्रतिनिधि। इसी तरह रोडवेज बस अड्डे की दुर्दशा भी है। जो कभी पर्यटकों के लिए आवागमन का एकमात्र स्थान हुआ करता था। लेकिन आज उसके भी खस्ता हाल हुआ है। श्री भट्ट ने पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए कहा है कि क्षेत्रीय जनता द्वारा भी मल्ला रामगढ़ स्थित गेस्ट हाउस के सौन्दर्यकरण कार्य किये जाने का निवेदन किया गया है, जो जनहित में अति आवश्यक है। यदि पर्यटक स्थल रामगढ़ जैसी जगह पर उक्त गेस्ट हाउस का सौंदर्यकरण होगा तो उसे क्षेत्र में अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का भी आने जाने का सिलसिला भी शुरू होगा, जिससे क्षेत्र की समस्याओं के निदान व विकास में भी सहायता मिलेगी। यह भी अवगत कराना है कि वर्तमान में लोक निर्माण विभाग द्वारा उपरोक्त गेस्ट हाउस को गोदाम बना रखा है, जिसमें रोलर, जे०सी०बी० मशीन व डम्पर आदि रखे गये है। उपरोक्त स्थान पर्यटन की दृष्टि से अत्यधिक रमणीय है। यहाँ लाखों की संख्या में प्रतिवर्ष पर्यटक आते है परन्तु कोई भी राज्य अतिथि गृह और बस अड्डा न होने के कारण अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उपरोक्त स्थान से हिमालय का व्यू पाईंट भी दिखता है। श्री भट्ट ने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से मल्ला रामगढ़ स्थित बस अड्डा और लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस के जल्द जीर्णोद्धार किए जाने का आग्रह किया है।

खेलों की तैयारियों को लेकर उठे सवाल

भारतीय ओलंपिक संघ के साथ जीटीसीसी की बैठक में 38वें राष्ट्रीय खेल पर हुई चर्चा

देहरादून(उद संवाददाता)। देहरादून में एथलेटिक्स ट्रैक की खोदाई के चलते 38वें राष्ट्रीय खेल आगे खिसक सकते हैं। अब खेल 28 जनवरी से 14 फरवरी के बजाय 15 फरवरी से दो मार्च के बीच कराए जा सकते हैं। अब शासन में मुख्यमंत्री और खेल मंत्री बैठककर नई तारीखों का औपचारिक एलान कर सकते हैं। आईओए से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, बीते रविवार को नई दिल्ली में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के साथ जीटीसीसी की बैठक में राज्य की खेल तैयारियों को लेकर सवाल उठे। फेडरेशन के कुछ सदस्यों ने देहरादून के स्पोर्ट्स स्टेडियम में एथलेटिक्स ट्रैक खोदा होने और वहां जेसीबी से काम चलने की फोटो आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा के सामने रखी। आरोप लगाया कि ट्रैक को मनमाने ढंग से खोद दिया गया है। इसे तैयार करने में दो महीने से ज्यादा वक्त लगेगा, ऐसे में खेल कैसे होंगे। बैठक में और भी सवाल उठे। इस दौरान एथलेटिक्स इवेंट को हल्द्वानी में शिफ्ट करने पर का सुझाव भी आया। देर शाम आईओए की ओर से उत्तराखंड शासन को पत्र जारी हुआ कि चाइना में एशियाई विंटर गेम सात से 14 फरवरी के मध्य होने हैं। इसलिए राष्ट्रीय खेल 15 फरवरी से दो मार्च के बीच करवाए जाएं, ताकि वहां प्रतिभाग करने वाले देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी राष्ट्रीय खेलों में भी प्रतिभाग कर सकें। अब शासन अपने पिछले दावों की लाज बचाने में जुटा है। सूत्रों का कहना है कि आरोपों की गेंद एक-दूसरे के पाले में डालने की कोशिश की जा रही है। खेल अधिकारी कह रहे हैं कि सभी खेलों की फेडरेशन अभी तैयार नहीं हैं। वहीं फेडरेशन कह रही हैं कि शासन ने जितने दावे किए, उतनी जमीनी तैयारियां नहीं हुईं। अभी तक पूरे कैंप भी नहीं लगे। विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा के अनुसार 28 जनवरी से खेल कराने के लिए शासन की तैयारियां पूरी हैं। ट्रैक कोई बाधा नहीं है। नीचे नमी होने के कारण उसके एक हिस्से को खोदना पड़ा है, जिसे दिन-रात के काम से 25 दिसंबर तक तैयार करवा देंगे। खेल निदेशालय तैयारियों पर 24 घंटे काम कर रहा है। सुबह 9 और रात 9 बजे भी तैयारियों पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग होती है। खेल स्थानों का देर रात निरीक्षण शुरू कर दिया है। उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएश अध्यक्ष महेश नेगी ने कहा कि नई तारीखों को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकते। खेलों के लिए सभी फेडरेशन तैयार हैं। एथलेटिक्स ट्रैक एसोसिएशन के संज्ञान में लाए बिना खोद दिया गया। उसको खोदे बिना ट्रीटमेंट किया जा सकता था।

आईपीएल में राजस्थान टीम के लिए खेलेंगे उत्तराखंड के आकाश मधवाल

देहरादून। आगामी वर्ष में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले उत्तराखंड के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। आईपीएल ऑक्शन में इतिहास रचने वाले उत्तराखंड के ऋषभ पंत के बाद आकाश मधवाल भी करोड़पति बन गए हैं। ऋषभ को आईपीएल की टीम लखनऊ सुपर जायंट ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा है। यह अब तक किसी भी खिलाड़ी को मिली सबसे ज्यादा रकम है। जबकि आकाश को राजस्थान रॉयल्स ने 1.20 करोड़ रुपये में लिया है। बीती 23 नवंबर को कर्नाटक के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में हैट्रिक जमा कर इतिहास रचने वाले आकाश दूसरी बार आईपीएल में अपना हुनर दिखाते हुए नजर आएंगे। दुबई में चल रही आईपीएल 2025 की नीलामी के लिए उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। उन्होंने साल 2023 सीजन में प्ले ऑफ में लखनऊ के खिलाफ पांच विकेट झटके थे, जो आईपीएल के इतिहास में किसी नॉक आउट मुकाबले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। घरेलू क्रिकेट में मधवाल ने उत्तराखंड टीम की ओर से खेलते हुए अपने क्रिकेटर करिअर की शुरूआत की। आईपीएल ऑक्शन में आकाश के अलावा राजन सिंह, स्वप्निल सिंह, युवराज चौधरी, संस्कार रावत, अखिल सिंह रावत, प्रशांत चौहान और अवनीश सुधा को चयन हुआ है।

वेंडिंग जोन में बनी दुकान की कीमतों को लेकर भड़के लघु व्यापारी, विधायक को सौंपा ज्ञापन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। लघु व्यापार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष गुलशन नारंग व महानगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा के नेतृत्व में लघु व्यापारियों का एक शिष्टमंडल विधायक शिव अरोरा से उनके कार्यालय में मिला और उन्हें एक ज्ञापन सौंपकर उनके समक्ष नगर निगम द्वारा विकसित किए जा रहे वेंडिंग जोन की दुकानों की निर्धारित की जा रही कीमतों पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुए इसे गरीब लघु व्यापारियों का उत्पीड़न बताया। गुलशन नारंग व सुरेश शर्मा ने कहा कि लघु व्यापार एसोसिएशन ठेली फल व्यवसाईयों के लिए सरकार द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय फेरी नीति नियामावली के तहत बेन्डिग जोन की मांग काफी वर्षों से करता आ रहा था। रूद्रपुर में नगर निगम द्वारा चिन्हित वाली जगह पर वेंडिंग जोन बनकर तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वाराठेली फड व्यवसाईयों के लिए जो टीन की दुकान बनाई गयी है। जिसकी नगर निगम अधिक धन राशि की मांग कर रहा है। जबकि राज्य फेरी नीति नियमावली में धनराशि का कोई भी जिक नहीं किया गया है। सरकार द्वारा बनाए गए एक्ट को नजरअन्दाज कर कार्य किया जा रहा है। जोकि कानून का उल्लंघन है। गरीब ठेली फड लघु व्यवसाईयों को दो वक्त की रोटी के लिए पूरे दिन जूझना

पड़ता है। तब कही जाकर एक वक्त की रोटी मिलती है। प्रधानमन्त्री स्वनिधि योजना का भी लोन ठेली वालों ले रखा है। लोन भरने के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में गरीब ठेली वाला इतनी महंगी दुकान वेंडिंग जोन में कैसे ले पाएगा? उन्होंने विधायक शिव अरोरा से आग्रह किया कि ठेली लघु व्यवसाईयों को बैन्डिग जोन में नि: शुल्क दुकाने आवंटन करवाने की कृपा करें। ताकि सरकार द्वारा बनाई गई राज्य फेरी नीति नियमावली का लाभ गरीब ठेली फड लघु व्यवसाईयों को मिल सकें। साथ उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि नगर निगम लघु व्यापारियों का आर्थिक शोषण करेगा तो लघु व्यापारियों को आंदोलन करने पर बाध्य होना पड़ेगा जिसकी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी। शिष्टमंडल में सुभाष गुप्ता, महेन्द्र कुमार, अशोक कुमार, राजेन्द्र सिंह, रमन कोली, सुजीत मंडल, कमल विश्वास , प्रहलाद, राज कोली, राम अवतार कश्यप, राजेश मंडल, परमानंद कश्यप, कन्हैया कश्यप, तुलाराम कश्यप, सूरज कश्यप, संतोष रस्तोगी, सुभाष रस्तोगी आदि शामिल थे। विधायक शिव अरोरा ने शिष्टमंडल को भरोसा दिया कि वह उस सन्दर्भ में जिलाधिकारी व नगर आयुक्त सहित मुख्यमंत्री से भी वार्ता कर लघु व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि शहर का अन्य चिन्हित स्थलों पर भी वह शीघ्र वेंडिंग जोन बनाने की लिए वह मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे

शर्मनाक: टॉफी देने के बहाने ने बालिका से की अश्लील हरकतें

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मुखानी थाना क्षेत्र में सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी ने शर्मनाक घटना को अंजाम देते हुए टॉफी देने के बहाने एक बालिका को कमरे में ले जाकर उसके साथ अश्लील हरकतें कर दी। मामले का खुलासा होने पर बालिका के परिजनों ने आरोपी सेवानिवृत अधिकारी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया है। बताया जाता है कि आरोपी ने पड़ोस में रहने वाली महज 8 साल की बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश की। टॉफी देकर उसे अपने घर बुलाया और अश्लीलता करने लगा। मामले का खुलासा हुआ अफसर घर से फरार हो गया। बच्ची की मां की तहरीर पर मुखानी थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार एक महिला अपनी आठ साल की बेटी के साथ मुखानी क्षेत्र में किराए के घर में रहती है। उसका पति फौज में है और बच्ची एक प्रतिष्ठित स्कूल में कक्षा दो की छात्रा है। किराए के मकान के बगल में सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त 65 वर्षीय गोपाल भोजक रहते हैं। रविवार को

स्कूल की छुट्टी थी। मां घर में काम कर रही थी। तभी पड़ोस में रहने वाले गोपाल भोजक उनकी आठ साल की बेटी को टॉफी देने के बहाने अपने कमरे में ले गया। जहां वह बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने लगा। इस दौरान मां ने अपनी बेटी को आवाज लगाई। आवाज सुनकर भोजक ने उनकी बेटी को छोड़ दिया। बेटी रोते हुए बाहर आई और पूरी घटना मां को बताई। मुखानी थानाध्यक्ष विजय मेहता ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी घर छोड़कर फरार हो गया है। उसे पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डॉ.गोस्वामी का तबादला रोका

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। जिला अस्पताल में तैनात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव कुमार गोस्वामी का तबादले का आदेश रोक दिया गया है। इससे पहले डॉ. गोस्वामी का तबादला जिला अस्पताल बागेश्वर कर दिया गया था। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अनुभाग की अपर सचिव अनुराधा पाल ने डॉ. संजीव को जिला अस्पताल रुद्रपुर में यथावत तैनात किए जाने के आदेश जारी किए हैं। डॉ गोस्वामी के यथावत के आदेश आने पर उन्होंने कार्य शुरू कर दिया।

हैदराबाद की टीम ने किया दौरा

गदरपुर(उद संवाददाता)। मनरेगा के सोशल ऑडिट की गुणवत्ता परखने और मूल्यांकन करने के लिए पहुंची राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान हैदराबाद की टीम ने लोगों से संवाद किया। रिसर्च एसोसिएट डांबरूध र गरादा के नेतृत्व में आई टीम ने ग्राम पंचायत खटोला पहुंचकर मनरेगा योजना से बनाए गए बकरी बाड़ा, पशु आश्रय स्थल, शिला फलकम और रिचार्ज सॉफ्ट वी आवास आदि का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान परिसंपत्ति योजना के अनुरूप पाई गई। इस अवसर पर ग्राम प्रधान मुकेश राणा, प्रभारी बीडीओ हेम कांडपाल, एबीडीओ शेखर जोशी,वीडीओ सुधेंदु सरकार,अमित मेहरा, विश्वजीत,बनमाली मंडल एवं कमल सरकार आदि थे।

बनबसा में होगी अग्निवीर भर्ती

चंपावत(उद संवाददाता)। बनबसा सैन्य परिसर, चंपावत में 28 नवंबर 2024 से 30 नवंबर 2024 तक धार्मिक शिक्षक (केंद्रीय श्रेणी) जूनियर कमीशन ऑफिसर की भर्ती प्रक्रिया होगी। सेना भर्ती निदेशक कर्नल राहुल मेलगे ने बताया कि बनबसा सैन्य क्षेत्र में धार्मिक शिक्षक (केंद्रीय श्रेणी) जूनियर कमीशन ऑफिसर उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के सभी जिले और पिथौरागढ़ और चंपावत जिलों के अग्निवीर अभ्यर्थियों के लिए दौड़, शारीरिक फिटनेस और दस्तावेजों की जांच होगी। यह मुख्यालय भर्ती क्षेत्र, लखनऊ के अंदर आने वाले उत्तर प्रदेश एवं ऑफिसर के सभी जिलों के लिए है। ऑनलाइन सीईई परीक्षा की मेरिट सूची में जगह हासिल करने वाले अभ्यर्थी ही इस भर्ती में हिस्सा ले सकेंगे। कुमाऊँ मंडल के दो जिलों (पिथौरागढ़ और चंपावत) की 01 दिसंबर से 06 दिसंबर तक अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर कार्यालय सहायक, अग्निवीर तकनीकी और अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं और 10वीं) के ऑनलाइन सीईई परीक्षा में मेरिट सूची में जगह बनाने वाले अभ्यर्थियों की भर्ती प्रक्रिया भी की जाएगी।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

श्रीलंका में कवि सम्मेलन में धूम मचायेंगे बाजपुर के बादल

बाजपुर(उद संवाददाता)। शहर के युवा अंतरराष्ट्रीय कवि बादल बाजपुरी कोलंबो में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल श्रीलंका कल्चर फेस्टिवल 2024 के अंतर्गत आयोजित कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करेंगे। बादल बाजपुरी लंबे समय से हिंदी साहित्य लेखन करते आ रहे है और देश के विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों से निरंतर काव्य पाठ करते आ रहे है स यह आयोजन अलाप स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड द्वारा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद में 27 नवंबर को शाम पांच बजे आयोजित होगा स बताते चले इसे पहले बादल बाजपुरी आयरलैंड , नेपाल सहित मॉरिशस में पिछले वर्ष हिंदी प्रचारिणी सभा (लॉन्ग माऊटेन) , वाकवा साहित्यिक सभा (वाकवा) ,ऋषि दयानंद इंस्टीट्यूट (पेलिस) , महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट (मोका) द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में काव्य पाठ कर चुके है स बादल बाजपुरी विश्व प्रसिद्ध बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति के संस्थापक भी है स बुलंदी संस्था तीन बार विश्व कीर्तिमान बना चुकी है स वर्ष 2021 में 207 और वर्ष 2022 में 400 घंटे एवं वर्ष 2024 में 270 घंटे 58 देशों की सहभागिता सहित अनवरत वर्च्युअल कवि सम्मेलन आयोजित करवा के बुलंदी संस्था तीन विश्व रिकॉर्ड बना चुकी है स बादल बाजपुरी की इस उपलब्धि से बाजपुर का नाम वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है जिससे शहर के उनके प्रशंसकों के मध्य खुशी का माहौल है ।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यों की समीक्षा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।विकास भवन के मीटिंग हॉल में मुख्य विकास अधिकारी ने ग्रामोत्थान परियोजना (रीप) काशीपुर विकासखंड में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित एवं रीप परियोजना के साथ अनुबंधित 3 क्लस्टर लेवल फेडरेशन क्रमश: रानी लक्ष्मीबाई, परिवर्तन, एवं भारत के स्टाफ द्वारा सीएलएफ के क्षेत्र में किया जा रहे परियोजना गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा विकासात्मक कार्यों को और अधिक बेहतर बनाने हेतु सुझाव दिए गए । परियोजना अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां - अल्ट्रा पुअर ,मैचिंग ग्रैंड फार्म एवं नॉन फॉर्म व्यक्तिगत उद्यम, सामुदायिक स्तर के फॉर्म एवं नॉन फॉर्म इंटरप्राइज तथा क्लस्टर लेवल पर निर्माण किए जाने वाले कलेक्शन सेंटर की समीक्षा की गई

जिसके अंतर्गत भूमि चयन तथा उस को सम्बन्धित सीएलएफ को स्थानांतरण की प्रक्रिया के लिए आवश्यक निर्देश दिए। काशीपुर विकासखंड के भारत क्लस्टर द्वारा चलाए जा रहे ग्रोथ सेंटर में मछली चारा उत्पादन की प्रगति की जानकारी ली गई और मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में उपस्थित समस्त सीएलएफ स्टाफ रीप के विकासखंड एवं जनपद स्टाफ को पूर्ण मनोयोग से परियोजना के विकासात्मक कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए । इसके अतिरिक्त बैठक में उपस्थित स्टाफ को सरकार द्वारा चलाए जा रहे अन्य कल्याणकारी योजनाएं के लाभ को स्वयं सहायता समूह सदस्यों को तक पहुंचाने हेतु भी मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिए गए। बैठक में रीप परियोजना के जिला परियोजना प्रबंधक, सहायक प्रबंधक- लाइवलीहुड, सेल्स ,संस्थाएं और समावेश तथा विकासखंड स्तर पर तैनात समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

कोचिंग में युवक पर हमला,दो दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

काशीपुर(उद संवाददाता)। मोहल्ला आर्य नगर स्थित कॉमर्स कोचिंग में लोहे की राड व घातक हथियारों से लैस दबंगों ने एक युवक पर प्राण घातक हमला करते हुए उसे गंभीर रूप से लहुलुहान कर दिया। मारपीट के इस मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन हमलावरों को नामजद करते हुए लगभग दो दर्जन उनके अज्ञात साथियों के खिलाफ भी संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया है। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर मोहल्ला लाहोरियान काशीपुर निवासी अजय टंडन पुत्र प्यारेलाल टंडन ने बताया कि बीते 15 नवंबर की शाम 5:00 बजे मामूली बात पर उसके पुत्र रुद्राक्ष के साथ मोहल्ला मजरा निवासी आयान उसके साथी फैसल व सुहेल समेत 20-25 अज्ञात अन्य साथियों ने मिलकर कॉमर्स कोचिंग के बाहर उसे घेर लिया और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। इस दौरान बदमाशों ने लोहे की रोड से युवक पर प्राण घातक हमला करते हुए उसे गंभीर रूप से लहुलुहान कर दिया और मुंह खोलने के बाद में जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इस मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर उपरोक्त तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए 20-25 अन्य के खिलाफ भी अभियोग पंजीकृत किया है।

एयरपोर्ट के वेस्ट प्रबंधन हेतु नगर निगम के साथ होगा टाई-अप

रूद्रपुर(उद संवाददाता)।पंतनगर एयरपोर्ट की एरोड्रम कमेटी की बैठक जिलाधिकारी एवं समिति अध्यक्ष उदयराज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। निदेशक एयरपोर्ट पंतनगर मोनिका डेम्बला ने बताया कि विमानपत्तन की सुरक्षा हेतु 75 कार्मिकों के सापेक्ष मात्र 20 सुरक्षा कर्मी है। उन्होंने सुरक्षा कर्मी बढ़ाने का अनुरोध किया। जिस पर जिलाधिकारी एवं समिति अध्यक्ष ने एएसपी/इंचार्ज सीएफओ निहारिका तोमर को एयरपोर्ट सुरक्षा हेतु सुरक्षा कर्मी बढ़ाये जाने हेतु पत्र जारी करने के निर्देश दिए। निदेशक ने विमानपत्तन क्षेत्र की सुरक्षा पेट्रोलिंग हेतु वाहन उपलब्ध कराने की मांग रखी। जिसपर जिलाधिकारी ने सचिव गृह को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिये। निदेशक ने कॉमन हाइजैकिंग टास्क फोर्स के

लिए भी उच्चीकृत वाहन की आवश्यकता हेतु अनुरोध किया जिस पर जिलाधिकारी ने एएसपी को वाहन उपलब्ध कराने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने एयरपोर्ट के वेस्ट प्रबंधन हेतु नगर निगम रूद्रपुर से टाई-अप करने के निर्देश एयरपोर्ट संयोजक को दिए। बैठक में संयोजक व निदेशक विमानपत्तन एयरपोर्ट पंतनगर मोनिका डेम्बला ने अवगत कराया कि विमानपत्तन के बॉउंड्री के बाहर कई ऐसे पेड़ है जो प्राकृतिक रूप से बड़े व टेढ़े होकर बॉउंड्री से ऊपर आ गये है तथा कई पेड़ अत्यधिक ऊंचाई के होने के कारण वर्तमान में फॉग के चलते पायलट को असुविधा होती है, जबकि सुरक्षा के दृष्टि से अत्यंत खतरनाक है इन पेड़ो के माध्यम से अवांछित तत्व विमानपत्तन की सुरक्षा को बाधित कर सकते हैं इन वृक्षों को कटवाने का अनुरोध किया। जिसपर जिलाधिकारी ने सहायक वन संरक्षक को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। सहायक वन संरक्षक ने बैठक में अवगत कराया कि उनके द्वारा पेड़ों का निरीक्षण कर लिया गया है व पेड़ो को चिन्हित कर अग्रिम कार्यवाही हेतु वन निगम को पत्र भेज दिया गया है। निदेशक ने एयरपोर्ट सीमा के आसपास क्षेत्र में में जंगली जानवरों की संख्या अत्यधिक बढ़ गयी है जिन्हें बाउंड्री वाल के पास भी विचरण करते हुये देखा गया है जिससे विमान सुरक्षा व्यवस्था को अत्यधिक खतरा रहता है साथ ही कार्मिकों को भी जान का खतरा बना रहता है जिस पर जिलाधिकारी ने सहायक वन संरक्षक को विभिन्न लोकेशन पर ट्रेसिंग कैमरा लगाकर निगरानी करने व आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में पंतनगर विमानपत्तन निदेशक मोनिका डेम्बला, एएसपी निहारिका तोमर,ओसी कले गौरव पाण्डेय,सहायक वन संरक्षक तराई केन्द्रीय वन प्रभाग शशि देव आदि मौजूद थे।

सभी कर्मचारियों को राज्य बीमा योजना एव श्रम चिकित्सा सेवाओं का लाभ देना अनिवार्य: रतूड़ी

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सोमवार को सचिवालय में कर्मचारी राज्य बीमा योजना एव श्रम चिकित्सा सेवाओं के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्य सचिव ने उत्तराखण्ड में संविदा व अन्य सामान्य श्रमिकों को ईएसआई कवरेज दिए जाने की कार्यवाही की धीमी प्रक्रिया पर सख्ती करते हुए सचिव शहरी विकास से नगर निगमों एव नगर निकायों में दैनिक/संविदा कर्मचारियों को ईएसआई कवरेज दिए जाने के सम्बन्ध में अब तक की गई कार्यवाही की रिपोर्ट तलब की।मुख्य सचिव ने सम्बन्धित सचिव को कड़े निर्देश दिए कि सभी नगर पालिकाओं एवं निकायों की तत्काल समीक्षा की जाए तथा उनमें कार्यरत दैनिक/सविंदा कर्मचारियों, श्रमिकों को कर्मचारी राज्य बीमा योजना से अनिवार्यत: आच्छादित करने के सम्बन्ध में त्वरित कार्यवाही की जाए। राज्य में संविदा एवं श्रमिकों को स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा चिकित्सा सहायता, दुर्घटना कवर व अन्य स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने तथा कार्यस्थल पर उत्पन्न जोखिमों से कर्मियों को बचाने के साथ ही कर्मियों को बीमा योजना के लाभों व उनके अधिकारों के लाभों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मुख्य सचिव ने सम्बन्धित अधिकारियों को इस पर शीर्ष प्राथमिकता एवं गम्भीरता से कार्य करने की भी हिदायत दी। सीएस ने ग्रामीण विकास, युवा कल्याण, आपदा प्रबन्धन, वित्त, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के साथ ही विभिन्न एनजीओं में कार्यरत संविदा व सामान्य श्रमिकों को कर्मचारी राज्य बीमा योजना से आच्छादित करने के कार्यवाही हेतु जल्द से जल्द कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव द्वारा पूर्व में दिए गए सख्त निर्देशों के बाद अब तक श्रम विभाग द्वारा सघन अभियान चलाकर ईएसआई के सम्बन्ध में औचक जांच की गई तथा 15000 से अधिक ईकाईयों नोटिस जारी किये गए, जिसमें से 10000 यूनिट द्वारा ईएसआई कवरेज के सम्बन्ध में कार्यवाही पूरी कर ली गई है। इस दौरान बैठक में सचिव श्री पंकज कुमार पाण्डेय सहित वित्त, श्रम, ईएसआई, उपनल, चिकित्सा सेवा विभाग के विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड में अब तक बन चुके हैं 34 हजार पीएम आवास

देहरादून(उद संवाददाता)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत उत्तराखण्ड में अब तक 34 हजार से अधिक आवास बन चुके हैं। अब राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के लिए भी भारत सरकार के साथ अनुबंध कर लिया है, जिसमें लाभार्थियों को अधिक आर्थिक अनुदान प्राप्त हो सकेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत शहरी क्षेत्र में रहने वाले सभी आवास विहीन परिवारों को आवास उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना में 3 लाख से लेकर 18 लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले आवास विहीन परिवारों को चार घटकों के तहत आवास निर्माण के लिए सब्सिडी / अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। योजना के प्रथम चरण के तहत राज्य में कुल 64391 आवासों की स्वीकृति भारत सरकार से हो चुकी है। जिसमें लाभार्थी आधारित निर्माण घटक के तहत कुल स्वीकृत 25976 आवासों में से अक्टूबर माह तक 12222 आवासों का निर्माण पूरा किया जा चुका है,शेष आवासों पर कार्य गतिमान है। इसमें भारत सरकार द्वारा कुल 1.5 लाख/प्रति आवास की दर से (कुल 263.71 करोड़ लगभग) अनुदान उपलब्ध कराया गया है, तथा राज्य सरकार द्वारा 50 हजार की अनुदान राशि प्रति आवास उपलब्ध करायी जाती है।मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना लाखों आवासहीन परिवारों को छत उपलब्ध करा रही है। उत्तराखण्ड में भी योजना के तहत हजारों लोगों के पक्के घर बन चुके हैं। इसमें केंद्र के साथ ही राज्य सरकार भी सहायता उपलब्ध करा रही है। सचिव शहरी विकास नितेश झा ने बताया कि अब भारत सरकार ने इसी साल सितंबर में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की घोषणा की है। इसके लिए राज्य सरकार ने भारत सरकार से अनुबंध कर दिया है। इसके लिए भारत सरकार ने अब प्रति आवास केंद्रांश 1.5 लाख से बढ़ाकर 2.25 लाख रुपए कर दी गई है। इस तरह अब योजना के तहत लाभार्थियों को अधिक आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

आरएएन किड्स स्कूल में एनुअल बोनांजा की धूम

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आरएएन किड्स स्कूल के प्रांगण में क्लास एफ 2 और एफ 3 का एनुअल बोनांजा 'रिश्ते' बड़े ही धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर मोहित राय, एडमिनिस्ट्रेटर श्रीमती निधि राय ने दीप प्रज्वलित करके किया । सर्वप्रथम विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रेखा कर्नाटक ने सभी अतिथियों व माता-पिता का स्वागत

किया। एफ2 और एफ 3 के नन्हे मुन्ने बच्चों ने शिव वन्दना,योग,फैशन शो, सन्डे डांस,क्लासिकल डांस एवं कृष्ण लीला आदि प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में माता-पिता के लिए कई खेलों का आयोजन किया गया तथा उपहार प्रदान किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर मोहित राय ने माता पिता को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । अंत मे विद्यालय की एडमिनिस्ट्रेटर श्रीमती निधि राय ने सबको धन्यवाद् दिया। आयोजन में श्रीमती शादाब एवं श्रीमती भावना भनोतआदि उपस्थित थे।

डीएम ने प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों के साथ अनुभव साझा किये

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड लोक सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों के 18 नवम्बर को उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज संस्थान (यूआईआरडी) में शुरू हुए 12 सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने पहुंचकर प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियो को सेवाकालीन कार्य अनुभव साझा किये। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को कहा कि पूर्ण जिम्मेदारी व लगन के साथ प्रशिक्षण लें ताकि सेवा के दौरान बेहतर प्रदर्शन करते हुए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से जनसामान्य को लाभान्वित कर सकें जिससे सशक्त उत्तराखण्ड के साथ विकसित भारत की संकल्पना सिद्ध हो सके। उन्होंने कहा सभी योजनाओं को पूरी तरह से समझकर कार्यविधि व नियमावली के अनुसार ही कार्य करें। नाकारात्मक पक्षों/पहलुओ से दूरी बनाकर रहे, कार्य के दौरान व्यावहारिक समस्याओं के आने पर शीर्ष अधिकारियों को अवगत कराये व उनसे परामर्श लें। उन्होंने मार्ग दर्शन करते हुए कहा कि प्रशिक्षण में बताए जा रहे सभी नियमों, कानूनों तथा जानकारियों को पूर्णत: आत्मसात करें ताकि फील्ड स्तर पर कार्य करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि अधिकांश योजनाओं के क्रियान्वयन में आपके कलम का महत्व बहुत ज्यादा होगा, इसलिए संतुलन

और सकारात्मक सोच के साथ ही अपने कार्यों का निर्वहन करें। अधिशासी निदेशक (यूआईआरडी)/ मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि 18 नवम्बर से 8 फरवरी 2025 तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रामीण विकास विभाग के 28, पंचायतीराज के 4, उद्यान विभाग के 33, गन्ना एवं चीनी विभाग के 1 व पशुपालन विभाग के 3 कुल 69 प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों को विभिन्न विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। उन्होने कहा कि प्रशिक्षुओं के सर्वांगीण विकास हेतु पूर्णत: आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ प्रत्येक शनिवार को अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम भी कराये जा रहे है। जिसमें प्रशिक्षुओं को सिडकुल पंतनगर का भ्रमण कराया गया है तथा कृषि विश्वविद्यालय, सितारगंज चीनी मिल, गूलरभोज, एनडीआरएफ केन्द्र, ग्राम भ्रमण आदि कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके साथ ही प्रशिक्षण को वृहद व सम्पूर्ण बनाये जाने हेतु प्रशिक्षु अधिकारियो की क्रीडा, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न समितियो को गठन किया गया है तथा वार्ताकक्ष को उच्चीकृत कर आधुनिक रूप दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दृष्टिगत अवस्थापना को और अधिक सुदृढ़ करने व इसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाये जाने हेतु स्विमिंग पूल, अतिरिक्त छात्रावास, म्यूजियम, विशिष्ठ अतिथि गृह, 300 बैठक क्षमता का ऑडिटोरियम तथा इंडोर व आउटडोर स्पोटर्स कॉम्पलेक्स का निर्माण कराया जा रहा है। इस दौरान मुख्य कोषाधिकारी डॉ पंकज कुमार शुक्ल, सहायक निदेशक यूआईआरडी डॉ धीरेन्द्र शाह, डॉ एमपी खाली व प्रशिक्षु अधिकारी उपस्थित थे।

सभी जिलों मे क्रय भूमि के प्रयोजन की जांच के निर्देश

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। आयुक्त एवं सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने काठगोदाम स्थित सर्किट हाउस सभागार में जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम की कुमाऊं मंडल की समीक्षा की। आयुक्त रावत ने कुमाऊं मण्डल के पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों में जमीन की खरीद फरोख्त को लेकर सभी जिलों के उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों को भूमि क्रय करते समय जो प्रयोजन बताया गया था, वह प्रयोजन हो रहा है उस की जांच की जाए। उन्होंने कहा कि कुमाऊं मंडल में जिन लोगों ने भूमि धार्मिक प्रयोजन के लिए ली है लेकिन उसका प्रयोग होटल, रिसॉर्ट आदि में हो रहा है तो उसकी जांच कर कार्रवाई की जाए।कुमाऊं के जनपद नैनीताल में 74, अल्मोडा 24, ऊधम सिंह नगर में 41, बागेश्वर में 4 मामले भूमि प्रयोजन उल्लंघन के मामले पाये गये है जबकि जनपद चम्पावत व पिथौरागढ में अभी तक कोई मामला सामने नहीं आया है। आयुक्त ने कहा अमूमन शिकायत मिलती है कि कृषि प्रयोजन के लिए भूमि ली है लेकिन उसका इस्तेमाल कृषि के बजाय होटल, रिसोर्ट आदि में कामर्शियल इस्तेमाल किया जा रहा है जो उचित नहीं है। इस भूमि का उपयोग सिर्फ कृषि में ही होना चाहिए। ऐसे प्रकरणों की गहनता से जांच होनी चाहिए। यदि नियमों का उल्लंघन मिलता है तो उक्त भूमि को राज्य सरकार के अधीन की जाए। बैठक में उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों ने भूमि के दुरूपयोग को रोकने के लिए सुझाव दिए। जिसमें सभी ने सर्व सम्मति

से बाहरी लोगों को 250 वर्ग मीटर आवासीय भूमि क्रय करने के प्रशासन की अनुमति अनिवार्य करने का सुझाव दिया ताकि ऐसे लोगों की प्रोफाइलिंग की जा सके । क्योंकि एक ही परिवार के लोग आसपास में ही 250- 250 वर्ग मीटर भूमि क्रय कर उसपर रिसॉर्ट व होटल बना लेते हैं। इससे भविष्य में कहीं और भूमि नहीं क्रय कर सके एवं अधिनियम का वायलेशन नहीं हो। इसके अलावा शासन स्तर पर राज्यव्यापी नहीं बल्कि जिलेवार भूमि की उपलब्धता को देखते हुए नीति बनाई जाए। क्योंकि कई ऐसे जिले व स्थान हैं जहां भूमि क्रय पर रोक लगना अनिवार्य है। आयुक्त ने कहा कि बैठक मे इस कानून के सम्बन्ध में आ रही कठिनाईयों के सम्बन्ध में शासन को अवगत कराया जायेगा। बैठक में अपर आयुक्त जीवन सिंह नगन्याल, मुख्य नगर आयुक्त रूद्रपुर नरेश दुर्गापाल, काशीपुर विवेक राय, उपजिलाधिकारी पारितोष वर्मा, प्रमोद कुमार, रेखा कोहली, संजय कुमार, रविन्द्र सिंह, केएन गोस्वामी, कौस्तुभ मिश्रा, राहुल साह, तुषार सैनी, तहसीलदार सचिन कुमार, कुलदीप पाण्डे, मनीषा बिष्ट, पूजा शर्मा, मनीषा मरकाना आदि उपस्थित थे।

बंटी कोली को सैकड़ों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

चौरासी घंटा मंदिर में भजन एवं श्रद्धांजलि सभा आयोजित

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के प्रतिनिधि अनिल कुमार बंटी कोली की स्मृति में आयोजित भजन एवं श्रद्धांजलि सभा में सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें रम्पुरा निवासी बंटी कोली का विगत 11 नवम्बर को यूपी के शाहबाद के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में आकस्मिक निधन हो गया था। उनकी आत्मिक शांति के लिए पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल एवं कोली परिवार की ओर से सोमवार को रम्पुरा स्थित चौरासी घंटा मंदिर में भजन एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने बंटी कोली के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस दौरान बंटी कोली की याद में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के आशुतोष जी महाराज की शिष्याओं द्वारा भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी गयी। इसके अलावा भजन गायक अमन सांवरियां एवं मास्टर बॉबी ने भी भजनों की सुंदर प्रस्तुति देकर बंटी कोली को याद किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल सहित तमाम वक्ताओं ने बंटी कोली के सरल स्वभाव, उनकी ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठा और वफादारी की प्रशंसा करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि सड़क हादसे में उन्होंने अपने परिवार के एक सदस्य को खो दिया, बंटी कोली की कमी कभी पूरी नहीं हो पायेगी। इस अवसर पर सर्व श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी सुश्री रितु भारती ने कहा कि मानव तन नश्वर है मानव इस धरती पर एक अतिथि की मानिद है। महापुरुष कहते हैं 'जीवन दो दिन का मेहमान'। इंसान मात्र 2 दिन का मेहमान है कौन से दो दिन एक जन्म और दूसरा मृत्यु परंतु जन्म और मृत्यु के बीच का जो समय है वह सब के पास अलग-अलग है इसलिए सार्थक उसका ही जीवन है जो इस समय को प्रभु की भक्ति में भर दे। इसलिए समय के रहते रहते हमने उसे ईश्वर का को जानना है। कहते हैं हर वस्तु की कोई ना कोई गारंटी होती है लेकिन इंसान की कोई नहीं इसलिए श्वासों के रहते रहते वह प्रभु को जान लें। जिसके लिए जीवन मिला है और जीवन में जब ब्रह्मज्ञानी गुरु आते हैं वह सही मार्ग दिखाते हैं। ईश्वर की अनुभूति घट में करवा कर सन्मार्ग की ओर प्रेरित करते हैं तब मानव प्रभु की भक्ति ज्ञान साधना के माध्यम से मुक्ति के मार्ग की ओर अग्रसर होता है और अपने जीवन को सफल करता है। अंत में साध्वी बहनों ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु शांति पाठ का उच्चारण करवाया और परिवार जनों को सांत्वना दी। इस अवसर पर पूर्व सांसद बलराज पासी, गदरपुर के विधायक अरविंद पांडे, किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ ,पूर्व मेयर रामपाल सिंह,भाजपा नेता अनिल चौहान, भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, दर्जा राज्य मंत्री उत्तम दत्ता, दलीप अधिकारी, अनिल शर्मा, मीना शर्मा, सुनील ठुकराल, अमित नारंग, सुदर्शन विश्वास, राकेश सिंह, राजेश ग्रोवर ,तजेन्द्र सिंह विर्क,अजय नारायण,सुरेश कोली, जसविंदर सिंह खरबंदा, हरविंदर सिंह हरजी,विशाल खेड़ा, एडवोकेट दिवाकर पांडे ,एडवोकेट सर्वेश सिंह, रमेश ढींगरा, गुरदीप गाबा,तजिंदर सिंह विर्क, सरिता चौधरी, ललित सिंह बिष्ट, विजय बाजपेई , हिम्मत कोली, रामकुमार गुप्ता,राहुल सरीन, रोहित खुराना, सनी कक्कड़, हरविंदर पिल्लू, संदीप मनोचा, बब्बू विर्क, पंकज गुप्ता, विशम्बर ठुकराल, मुलखराज ठुकराल, अशोक ठुकराल, दीपक ठुकराल, नन्द लाल अरोरा,सुभाष अरोरा, शगुन अरोरा, बल्लू घिक, सुदर्शन बजाज, संजय जुनेजा,मनोज छाबड़ा, संदीप राव, विक्की आहूजा, हिमांशु मिड्ढा,गुरमीत सिंह, मानस जायसवाल,प्रवीण घीक, सिमरन, कोमल ठुकराल, दर्शन रानी ठुकराल, मीना शर्मा,इंदु अरोड़ा, राज अरोड़ा, मुरादाबाद से सरदार गुरविंदर सिंह, दीपक कुमार, जामी चाड़ा, आकाश बाटला, जग्गा प्रधान, गगन ग्रोवर, राजीव ठुकराल, अनिल अग्रवाल, पारस अग्रवाल, बॉबी अरोरा,राजेश सक्सेना , हरीश चौधरी, दीपक मल्होत्रा, सुदीप सिंह, सत्ता कोली, राहुल कोली,गुरबाज सिंह, जोगिंदर सिंह ,बनारसी दास कोली, गब्बर कोली, राकेश कोली, सरोज रानी, यादो देवी, कुंवरपाल कोली,रामअवतार शर्मा,केले वाले, कोमिल राम कोली, संजय शुक्ला, अजीत सोलंकी, चंद्रसेन कोली, अमर कोली, सतीश कोली, राजू गुप्ता, धर्म कोली, संजीव शर्मा, उदय, बिट्टू शर्मा, लालमन कोली, पंडित नरेश शर्मा, किशन कोली, रूद्र कोली, अमित कोली, राजवीर सिंह विर्क, हैप्पी चौहान, बंटी राजोरिया, विशाल सिंह, गुरनाम सिंह, विराट आर्या, राजेश कामरा, सौरभ, मानसिंह ग्रोवर, सनप्रीत ग्रोवर, काका, दिनेश सैनी, ओमवीर गिरी, अजय यादव, संजीव गुप्ता, मनोज गुप्ता, दीपक सागर, सुशील सागर, गोपी सागर, रणजीत सागर , सोमपाल सिंह, सतीश मिड्ढा, गुलशन बत्रा, चौधरी वाधवा, सुनीता वाधवा, आशा रानी , संजीव वाधवा, सुमन ,अंजू ,पवन ढींगरा आदि समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

पुलिस सत्यापन अभियान से बाहरी व्यापारियों में मचा हड़कंप

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। गत दिवस साप्ताहिक बाजार बंदी पर व्यापार मंडल की शिकायत पर एएसपी निहारिका तोमर के नेतृत्व में बाजार चौकी प्रभारी होशियार सिंह ने पुलिस टीम के साथ बाजार क्षेत्र में बाहरी शहरों से सामान बेचने आए व्यापारियों का सत्यापन अभियान चलाया। जिससे व्यापारियों में हड़कंप मच गया। कई व्यापारी आनन फानन में अपना सारा सामान समेटकर बाजार से चले गए। अभियान के दौरान कई व्यापारियों का पुलिस एक्ट में चालान किया गया। गौर तलब है कि शहर का मुख्य बाजार साप्ताहिक बंदी पर सोमवार को बंद रहता है। ऐसे में आस पास के शहरों सहित यूपी क्षेत्र के कई व्यापारी यहां आकर अपना फड़ लगाकर कपड़े समेत अन्य सामान बेचकर व्यापार कर रहे हैं। जिससे स्थानीय व्यापारियों का कारोबार प्रभावित होता है। इस सन्दर्भ में व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा के नेतृत्व में व्यापारी पूर्व में कई बार आंदोलन कर चुके हैं। लेकिन समस्या का स्थाई समाधान नहीं हो रहा था। अब व्यापार मंडल ने एसएसपी मणिकांत मिश्रा से मुलाकात कर उनको मामले से अवगत कराया। जिसके बाद एसएसपी के आदेश पर सीओ सिटी निहारिका तोमर, चौकी प्रभारी होशियार सिंह पुलिस बल के साथ मुख्य बाजार पहुंचे और जगह-जगह दुकान लगाकर बैठे लोगों का सत्यापन किया। इस दौरान पुलिस को कई फड़ व्यापारियों का सत्यापन नहीं मिला। जिस पर पुलिस ने आधार कार्ड देखकर उनकी दुकान बंद करवाई। साथ ही उनका चालान भी काटा गया।एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि आपराधिक वारदातों की -रोकथाम के लिए पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाया। फड़ लगाने वाले व्यापारी अपने-अपने यूपी थाना चौकी की पुलिस की एक सत्यापन रिपोर्ट लेकर आएंगे। बिना सत्यापन के सोमवार बाजार में दुकान नहीं लगाने दिया जाएगा। व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा ने कहा कि बाहरी व्यापारी की आड़ में कई असामाजिक तत्व शहर में आकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं। जिसे देखते हुए कई बार नगर निगम व पुलिस प्रशासन को सचेत किया जा चुका है। जिसे देखते हुए सत्यापन अभियान चलाना आवश्यक हो गया है। इस दौरान पवन गाबा पल्ली आदि व्यापारी नेता भी मौजूद रहे।

पूर्व कांग्रेस पार्षद विजय कुमार साथियों सहित भाजपा में शामिल

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी संभाग कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी की रीति नीति को समझते हुए मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्य देखकर अनेक लोगों ने भाजपा का दामन थाम लिया। जिसमें मुख्य रूप से कांग्रेस छोड़कर आए पूर्व कांग्रेस सचिव व प्रधान दमुआढूगा पूर्व पार्षद विजय कुमार उनके साथ में अजय चंद,वीचंदन कुमार , रमेश चंद्र, कार्तिक चंद्र , दीपक चंद्र , भुवन चंद्र, विनोद कुमार आदि लोगों ने जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट के समक्ष भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा। भाजपा नेताओं ने सभी का माल्यार्पण व मिष्ठान वितरण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री राजेंद्र सिंह बिष्ट, मंडी प्रदेश अध्यक्ष अनिल कपूर डब्बू, निवर्तमान मेयर जोगेन्दर पाल सिंह रौतेला, जिला महामंत्री नवीन भट्ट व रंजन बर्गली, प्रतिभा जोशी भुवन भट्ट, मंडल अध्यक्ष किशोर जोशी, धीरज पाण्डे,महेश जोशी, मुन्नी बिष्ट,पनराम आर्य, हिरदेश, आदि लोग मौजूद रहे

कोलंबो में प्रस्तावित कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करेंगे पंकज प्रकाश

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। कवि पंकज प्रकाश कोलंबो में आयोजित होने वाले इंटरनेशन श्रीलंका कल्चर फेस्टिवल 2024 के अंतर्गत आयोजित कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करेंगे। पंकज प्रकाश लंबे समय से साहित्य लेखन करते आ रहे है

और देश के विभिन्न राष्ट्रीय मंचों से निरंतर काव्य पाठ करते आ रहे हैं । यह आयोजन अलाप स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड द्वारा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद में 27 नवंबर को शाम पांच बजे आयोजित होगा। इसे पहले पंकज प्रकाश आयरलैंड , नेपाल सहित मॉरिशस में पिछले वर्ष हिंदी प्रचारिणी सभा (लॉन्ग माऊटेन) , वाकवा साहित्यिक सभा (वाकवा) ,ऋषि दयानंद इंस्टीट्यूट (पेलिस) , महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट (मोका) द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में काव्य पाठ कर चुके हैं। पंकज प्रकाश विश्व प्रसिद्ध बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति के संरक्षक भी है। बुलंदी संस्था दो बार विश्व कीर्तिमान बना चुकी है स वर्ष 2021 में 207 और वर्ष 2022 में 400 घंटे अनवरत वर्च्युअल कवि सम्मेलन आयोजित करवा ये संस्था दो विश्व रिकॉर्ड बना चुकी है।

विधायक अरोरा ने सीसी मार्ग के निर्माण कार्य का किया शुभारम्भ

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। फाजलपुर मेहरौला वार्ड न. 25 के तराई बिहार क्षेत्र में देवेंद्र रस्तोगी के घर से विराट मेडिकल तक सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य का विधायक शिव अरोरा ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। यह मार्ग 26 वर्षो से खस्ता हाल में था। मार्ग बनने से हजारों लोगों को राहत मिलेगी। इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा ने कहा कि तराई बिहार का यह सम्पर्क मार्ग खस्ता हाल में था। बरसात के बाद 4 फिट तक पानी जमा हो जाता था महिला बच्चे इस रोड पर निकल नहीं सकते थे जिसका 26 वर्ष बाद निर्माण कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा हमने विकास कार्यों के क्रम को जारी रखते हुऐ लगातार विकास कार्यों की शुरुआत कर रहे है हमने बहुत कम समय में 48 किलोमीटर तक के कार्य रुद्रपुर विधानसभा में करवाये है जिसमे ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में ऐसी ऐसी सड़को के निर्माण कार्य करवाये है कई दशक से नहीं बने थे। हमारी सोच काम को आगे बढ़ाने की है हमने सबको साथ लेकर रुद्रपुर क्षेत्र के चारो तरफ विकास कार्यों को तेजी गति से करने का प्रयास किया है। इससे पूर्व यहां पहुंचने पर विधायक का स्थानीय लोगो द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, सुरेश कोली, पूर्व पार्षद सुशील यादव, तरुण दत्ता, प्रसादी लाल कोली,प्रीत ग्रोवर, अनमोल विर्क, धर्म सिंह कोली ,रामकिशन कोली, नीलकंत,विपिन कोली,विक्की वाल्मीकि, चंचल यादव,मयंक कक्कड़, अनिल कुमार, अशोक गंगवार,ममता श्रीवास्तव, मीना शर्मा, जमुना, सोनम, ऋषिपाल राघव, तेजराम गंगवार, वंदना, रेखा रानी, मंजू पाल, तारा देवी, सरोज पाल, बूटा सिंह, त्रिलोक कोली, रोहित मित्तल, चंद्रपाल कोली आदिसहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

जलवायु संकट के प्रभाव

इसमें कोई दो राय नहीं कि जलवायु संकट आज विश्व भर में सभी देशों की चिंता में सबसे ऊपर है और इसके खतरे को कम करने या इससे पूरी तरह निपटने के लिए सभी देशों को अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति जाहिर करनी होगी। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि दिनोंदिन गहराते जा रहे इस संकट और इसके प्रभाव पर सभी देश विमर्श तो करते हैं, मगर इससे पार पाने के उपायों को लेकर वही देश अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं, जिनकी भूमिका इस मुश्किल को बढ़ाने में ज्यादा रही है। विकसित देशों का यह रुख अपने आप में परेशान करने वाला है कि वे पृथ्वी के जलवायु पर बढ़ते संकट के सवाल पर हर बार दोहरा रवैया अपनाते हैं और इस मसले पर होने वाली तमाम बैठकों का हासिल अपने किसी मकसद तक नहीं पहुंच पाता। इस बार अजरबैजान के बाकू में भी सीओपी-29 की बैठक में उम्मीद जरूर की गई थी कि शायद ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से बढ़ते वैश्विक तापमान और उससे निपटने के उपायों को जमीन पर उतारने को लेकर विकसित देश वास्तव में कुछ ठोस पहल करेंगे। मगर यह अफसोस की बात है कि इस विश्वव्यापी संकट के सवाल पर विकसित देशों को अपनी सुविधा कायम रखना ज्यादा अहम लगता है। गौरतलब है कि बाकू में संपन्न हुए जलवायु शिखर सम्मेलन में समृद्ध देशों ने जलवायु वित्त पोषण के रूप में हर वर्ष तीन सौ अरब डालर की सहायता देने पर समझौता किया, वह भी सन 2035 से। जबकि विकासशील देशों की मांग तेरह सौ अरब डालर की थी। यानी एक तरह से विकासशील देशों की मांगों को अनसुना कर दिया गया। विकसित देशों के रुख और सहायता राशि में इतने बड़े अंतर पर विकासशील देशों के बीच गहरी निराशा पैदा हुई और इस पर मतभेद उभरना स्वाभाविक था। भारत की ओर से यह साफ तौर पर कहा गया कि वह इस प्रस्ताव को वर्तमान स्वरूप में स्वीकार नहीं करता है, क्योंकि प्रस्तावित राशि बहुत ही कम है और यह हमारे देश के अस्तित्व के लिए जरूरी जलवायु कार्रवाई को असंभव बनाएगी। भारत ने समझौते को अपनाने के तरीके को भी आपत्तिजनक और 'पूर्व नियोजित' बताया। समस्या के स्वरूप और उससे निपटने के उपायों के मद्देनजर भारत की आपत्ति को विकासशील देशों का समर्थन मिला, वहीं विकसित देशों के बीच एक विचित्र चुप्पी देखी गई। यह सही है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से वैश्विक तापमान में इजाफा हो रहा है और इसमें सबसे ज्यादा बड़ी भूमिका दुनिया के समृद्ध या विकसित देश ही निभाते हैं। दूसरी ओर, 'ग्लोबल साउथ' के देशों की भूमिका में इसमें अपेक्षया कम है और विकास की निरंतरता को कायम रखने के लिए उनकी कुछ व्यावहारिक जरूरतें हैं। इसी के मद्देनजर विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से उपजने वाले संकट से पार पाने में मदद के लिए विकसित देशों का वित्तीय और तकनीकी संसाधन जुटाने का दायित्व है।

मांगों को लेकर बीमा कर्मियों ने किया प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। भारतीय जीवन बीमा निगम के शाखा कार्यालय रुद्रपुर में ऑल इंडिया इंश्योरेन्स ईम्पालाईज एसोसिएशन के आह्वान पर तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने आज दोपहर भोजन अवकाश के दौरान भारत सरकार के विरुद्ध नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि सभी कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में इसके पूर्व भी कई बार नारेबाजी व प्रदर्शन करके प्रबन्धन व भारत सरकार से उचित कार्यवाही करने के लिये आग्रह किया है। लेकिन प्रबन्धन व भारत सरकार किसी भी मुद्दे पर बात करने के लिये तैयार नही है। प्रबन्धन व भारत सरकार के इस नकारात्मक व अड़ियल रवैये के कारण सभी कर्मचारियों को भोजनावकाश में प्रर्दशन व नारेबाजी के लिये मजबूर होना पड़ा है। फिर भी यदि प्रबन्धन व भारत सरकार वार्ता के लिये तैयार नही होता है तो कर्मचारी आगे कठोर कदम उठाने

के लिये बाध्य होंगे। मांगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बीमा व बैंको सहित सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण बन्द किया जाये, सभी के लिये गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा सुनिश्चित की जाये, सांप्रदायिकता और महिलाओं, बच्चों, दलितों, आदिवासियों व अल्पसंख्यकों के साथ होनेवाली हिंसा के विरुद्ध सख्त कानून बनाया जाये, श्रमिकों के लिये न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपए किया जाये, न्यूनतम 10 हजार रुपए प्रति माह पेन्शन दी जाए, नौकरियों में ठेकेदारी प्रथा को बन्द किया जाये, चार श्रम संहिताओं को रद्द किया जाये, नई पैन्शन योजना के स्थान पर पुरानी पैन्शन योजना लागू की जाये, सभी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा दी जाए, किसानों एवं कृषि श्रमिकों के लिये ऋण माफ किए जाएं, मूल्य वृद्धि को नियन्त्रित किया जाये, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत किया जाये, बढ़ते व्यवसाय के कारण तृतीय व चतुर्थ श्रेणी संवर्ग में नई भर्तियाँ शीघ्र की जाये, आउट सोर्सिंग बन्द की जाये। वक्ताओं में विपिन त्रिपाठी व उपदेश सक्सेना प्रमुख रहे। प्रदर्शन करने वालों में बलवन्त सिंह बोरा, अजय सक्सेना, नैनी गोपाल, राजीव सिंघल, दीपा चन्द्रा, राहुल मिश्रा, अजय कुमार आर्य, प्रेमराम, देव सिंह नेगी, राहुल आदि मौजूद रहे।

भू कानून की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठेंगे मोहित डिमरी

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड में मूल निवास,भू- कानून संघर्ष समिति ने आर-पार की लड़ाई का मन बना दिया है। 26 नवंबर संविधान दिवस मौके पर संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी की अगुवाई में भूख हड़ताल शुरू करने

जा रही है। आंदोलनकारियों का कहना है कि 2018 के बाद किए गए संशोधनों को वापस लेने का आग्रह किया गया है, जो स्थानीय कृषि भूमि को खत्म करने और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। समिति ने कैबिनेट बैठक बुलाकर अध्यादेश लाकर इन संशोधनों को रद्द करने की मांग की है। संघर्ष समिति ने कहा सरकार भूमि कानून के ड्राफ्ट को सार्वजनिक करे और भूमि कानून की धारा 2 को हटाए।इसके साथ ही उत्तराखंड में एक समान भू-कानून और मूल निवास की परिभाषा को स्पष्ट करने को कहा है। वहीं समिति ने धामी सरकार से यूसीसी में एक साल से रह रहे लोगों को स्थायी निवासी मानने का फैसला वापस लेने को कहा है।

रोजगार को लेकर सरकार बिल्कुल भी गंभीर नहीं : कांग्रेस

देहरादून(उद संवाददाता)। पुलिस भर्ती में आयु सीमा बढ़ाने और महिलाओं के अतिरिक्त पद जोड़ने की मांग को लेकर आज उत्तराखंड बेरोजगार संघ ने सचिवालय कूच किया। जिस पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस ने इसको लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा है कि आज युवा परेशान होकर पूछ रहा है कि हमारा रोजगार कहां है? सोमवार को बेरोजगार संघ ने सचिवाल कूच किया। जिसको लेकर अब विपक्ष सत्तापक्ष पर निशाना साध रहा है। कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि अगर डबल इंजन की सरकार आई दो करोड़ बेरोजगार युवकों को प्रतिवर्ष रोजगार देंगे आज यहां का युवा पूछ

रहा है हमारा रोजगार कहां है।नवीन जोशी का कहना है कि रोजगार को लेकर सरकार बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर आज युवा अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहा है तो सरकारों के उनके ऊपर लाठी चला रही है मुकदमे लगा रही है। सरकार नहीं चाहती कि युवाओं को रोजगार मिले। उन्होंने कहा कि सरकार को युवाओं के बारे में सोचना चाहिए और उन्हें रोजगार देना चाहिए।

14 वर्ष आयु में मां हंसेश्वरी के दर्शन से होने लगी थी मनोकामनाएं पूरी

ब्रह्मलीन पीठाधीश्वरी मां हंसेश्वरी भारती जी महाराज का जीवन परिचय

वैष्णवी शक्ति पीठाधीश्वरी मां हंसेश्वरी भारती जी महाराज (पूज्यनीय स्वर्ग फार्म वाली देवी जी) का जन्म पाकिस्तान के एक गाँव जिला सियालकोट में एक जमीदार पीरिवार में हुआ। पूज्यनीय माता जी अपने बहन-भाईयों में सबसे छोटी सन्तान थी। जब हिंदुस्तान का विभाजन हुआ तो माता जी की आयु 3 वर्ष थी। विभाजन के बाद इनके माता पिता पंजाब के गुरुदासपुर गाँव में आ गये और काफी समय तक वहीं रहे। उसके पश्चात वह बिलासपुर यूपी आए और वहीं पर जमीन लेकर खेती बाड़ी करने लगे। माता जी बहन भाईयों में छोटी थी तो इनको सब प्रेम से गोगा के नाम से बुलाते थे। माता जी के पिता फौज में थे। माता जी के फार्म के निकट ही स्वर्ग फार्म था। इसलिए माता जी के फार्म को लोग स्वर्ग फार्म वाली देवी जी कहने लगे और माता जी स्वर्ग फार्म वाली देवी जी के नाम से विख्यात माँ हंसेश्वरी देवी के नाम से जानी जाने लगी। माता जी अल्प आयु में ही भक्ति में लीन रहती थीं और माता का भजन करती रहती थीं। एक दिन माता जी के मामा जी अपनी बहन के यहाँ आये उन्होंने माता जी को छोटी सी आयु में समाधि में बैठे देखा। वे पहुँचे हुए संत थे उन्होंने अपनी बहन से कहा कि यह लड़की बहुत माता के भजनो में लीन रहती है। इसका विवाह नहीं होगा इसकी बहुत ऊँचे पद में संत के रुप में मान्यता होगी। लेकिन इनकी माता जी को विश्वास नहीं हुआ। समय बीतने लगा माता जी किशोर अवस्था में माता की भक्ति करती और अपने भाईयों के साथ काम काज में हाथ बटाती और साथ ही सबकी लाडली बहन खेतों में रोटी चाय इत्यादि पहुँचाती। माता जी के फार्म में एक बेरी का पेड़ था जो आज भी है उसी बेरी के नीचे बैठकर माता जी भक्ति करती। 14 वर्ष की आयु में माँ वैष्णों का प्रवेश माता जी के अन्दर हुआ इसे देखकर इनके घरवाले घबरा गये और जगह-जगह इनको ले जाने लगे कि यह

लड़की ठीक हो जाए लेकिन हर मंगलवार को माता का प्रवेश होने लगा और उनके दर्शन मात्र से लोगों की मनोकामना पूरी होने लगी। किच्छा में माता कृष्णा देवी का मन्दिर किच्छा रोड पर है, वहाँ पर माता जी का परिवार उन को ले गया। माता जी ने अपने सुन्दर स्वभाव से सब का मन जीत लिया। माता कृष्णा देवी माता जी को अपने साथ वैष्णों दरबार ले गई वहाँ पर एक पुजारी थे जो मुख से बोल नहीं सकते थे सुन्दर गुफा में माता जी में आदि शक्ति का प्रवेश हो गया और उस पुजारी ने माता जी के केशों को हाथ लगा दिया जिससे माँ क्रोधित हो गई उस पुजारी को दंड दिया जिससे वह माता जी के चरणों में पड़कर माफी मांगने लगा। उसके पश्चात माँ के आदेश के अनुसार अपने फार्म पर आई और परिवार ने उस बेरी के पास एक कमरे का निर्माण करके उसको मन्दिर का रुप दिया हर मंगलवार को वहाँ भजन कीर्तन होने लगे और दूर-दूर से लोग माता जी के दर्शन करने के लिए फार्म में पहुँचने लगे । संगत का मेला लगना शुरु हो गया। हर अष्टमी पर वहाँ पर माता जी का जागरण होने लगा था। इसी बीच माँ वैष्णों देवी जी की आज्ञा से सन् 1972 में माँ रुद्रपुर शहर में आ गई और एक छोटे से मन्दिर का निर्माण किया जो आज वर्तमान समय में माँ का सुन्दर भवन है और माँ जी के यहाँ दूर-दूर से संगत आती है और अपनी मनोकामना पूरी होने पर जागरण चौकी भंडारा इत्यादि करती रहती है। हर वर्ष माता जी का जन्मोत्सव चौत महीने की अमावस्या को बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है। जिसमें भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन होता है। माता जी के यहाँ जो एक बार आ जाता है उसकी मनोकामना पूर्ण होती है। माता जी ने रेलवे मालगोदाम के निकट सन् 2000 में माता चिन्तपूर्णी मन्दिर बनाया है। जिसमे हर वर्ष सावन की अष्टमी बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। जिसमें वैष्णों भजन मंडल सेवा में हमेशा तत्पर रहता है। कुछ वर्ष पूर्व माँ के भक्तों के मन में आया की माता जी की शक्ति पीठाधीश्वरी की उपाधि से सम्मानित करें। माता जी ने अपने भक्तों की बात को स्वीकार कर लिया और अक्टूबर 2011 में गाँधी पार्क रुद्रपुर में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं संत समागम का भव्य आयोजन किया गया। जिसमे नैमिषारण्य के जगदाचार्य स्वामी उपेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज एवं शंकराचार्यों के द्वारा माता को शक्ति पीठाधीश्वरी की उपाधि से विभूषित किया गया और इनका नाम माँ हंसेश्वरी भारती जी महाराज पड़ा

चारा लेने जंगल गई महिला को उठा ले गया तेंदुआ, लापता

भीमताल। नैनीताल में नौकुचियाताल की ग्राम पंचायत सिलौटी में सोमवार की शाम मवेशियों के लिए चारा लेने जंगल गई महिला को तेंदुआ उठाकर ले गया। वहीं, दूसरी महिला ने भागकर जान बचाई और घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी विजय मेलकानी वन कर्मियों के साथ घटना स्थल को रवाना हुए।

लेकिन महिला का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस दौरान जंगल से दराती, खून के धब्बे और बाल मिले हैं। जानकारी के अनुसार, शाम करीब पांच बजे लीला देवी (50) स्व नरोत्तम आर्य एक अन्य महिला के साथ जंगल जा रही थी। इस दौरान अचानक तेंदुआ उन पर झपट पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि महिला को तेंदुआ नहीं बाघ ले गया है। हालांकि अभी पुष्टि नहीं हो पाई है कि महिला को तेंदुआ ले गया या बाघ ले गया है। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। इससे पूर्व भी नौकुचियाताल, चनौती और सिलौटी में तीन बाघ एक साथ देखे जा चुके हैं। वन क्षेत्राधिकारी विजय मेलकानी ने बताया कि सूचना मिलते ही मौकै पर टीम गई है। महिला लापता है। फिलहाल तेंदुए के महिला को उठाने का संदेह लग रहा है।

सारकोट गांव को मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम बनाने की कवायद हुई तेज

चमोली(उद संवाददाता)। चमोली जिले के गैरसैंण ब्लाक में सारकोट गांव को मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम बनाने की कवायद तेज कर दी गई है। सोमवार को सारकोट को सुनियोजित तरीके से आदर्श ग्राम बनाने के लिए जिला स्तर पर विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी श्री संदीप तिवारी के आदेशानुसार सभी अधिकारी सारकोट गांव के दौरे पर जाएँगे और शीघ्र विभागीय कार्ययोजना बनाना शुरू करेंगे। आदर्श ग्राम सारकोट में सभी बुनियादी सुविधाएँ और सेवाओं के साथ सभी पात्र लोगों को सामाजिक सुरक्षा भी मुहैया करवाई जाएँगीं। सारकोट सैनिक बहुल्य गांव होने की वजह से पूर्व सैनिकों को सभी सुविधाएं मुहैया की जाएँगीं। गांव में सामाजिक पेंशन से शत प्रतिशत लोगों को दी जानें की योजना का भी प्रावधान है। पर्यटन विभाग को गांव में लोगों को होम स्टे का पंजीकरण कराने और उरेडा को गांव में सोलर लाइट लगाने के निर्देश दिए गए हैं। पंचायत विभाग को गांव में मनरेगा से रास्तों का सुधारीकरण और सामुदायिक शौचालय निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा। जल निगम और जल संस्थान को गांव में सभी परिवारों को हर घर जल संयोजन सुनिश्चित करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को गांव में शिविर लगाकर शत प्रतिशत आयुष्मान एवं दिव्यांग कार्ड बनाने के साथ ही सभी लोगों की स्वास्थ्य जांच करने के निर्देश भी दिए गए।

उक्रांद कायकर्ताओं ने पूर्व अध्यक्ष त्रिवेंद्र सिंह पंवार को दी श्रद्धांजलि

हल्द्वानी (उद संवाददाता) । यूकेडी जिला कार्यालय मुखघनी मे एक शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें दल के पूर्व केन्द्रीय अध्यक्ष त्रिवेंद्र सिंह पवार के आकस्मिक निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया गया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजली अर्पित की गई।

सभी कार्यकर्ताओं ने कहा कि दुख की इस घड़ी में ईश्वर परिवार को दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करने की कृपा करे। शोक व्यक्त करने वालों मे यूकेडी के केंद्रीय महामंत्री सुशील उनियाल, एडवोकेट प्रकाश जोशी , पूर्व पार्षद रवि वाल्मिकी, एडवोकेट मोहन कांडपाल , नगर अध्यक्ष हरीश जोशी, गोविन्द सिंह, उत्तम बिष्ट, अंकुर कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

कोहरे से ट्रैक्टर ट्रॉली में घुसी कार, बिहार के दो युवकों की मौत

रूड़की(उद संवाददाता)। रुड़की में सोमवार को दर्दनाक हादसा हो गया। कोहरे के चलते एक कार ट्रैक्टर ट्रॉली में जा घुसी। भीषण हादसे में बिहार के दो युवकों की मौत हो गई है। जबकि कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल चालक को मेरठ रेफर किया गया है। वहीं, पुलिस ने दोनों युवकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है। साथ ही घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दी है। जबकि पुलिस ने कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लिया है। सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस के अनुसार, सोमवार की सुबह एक कार दिल्ली से हरिद्वार की ओर जा रही थी। जैसे ही कार मंगलौर-हरिद्वार बाईपास पर नगला इमरती गांव के सामने पहुंची तो आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार में सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक मौके पर ही वाहन को छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को सिविल अस्पताल रुड़की भेजा। जहां से उसे मेरठ के लिए रेफर कर दिया। वहीं, पुलिस ने दोनों युवकों के सामान और

मोबाइलों से उनके परिजनों और दोस्तों से संपर्क कर घटना की जानकारी और पूरी जानकारी जुटाई। कोतवाली प्रभारी नरेंद्र बिष्ट ने बताया कि हादसे में मृतकों की पहचान विकास कुमार (24) पुत्र चंद्ररु पासवान निवासी गांव करेला, जिला मुजफ्फरपुर (बिहार) और प्रिंस कुमार (22) पुत्र मुकेश कुमार निवासी गांव बस्तियारपुर, जिला मुजफ्फरपुर (बिहार) के रूप में हुई है। जबकि कार चालक सागर निवासी नजफगढ़, दिल्ली गंभीर रूप से घायल हुआ है। दोनों युवकों के शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिए हैं। पुलिस ने मामले की जानकारी ली तो पता चला कि कार में चालक सहित पांच लोग सवार थे। चार युवक दिल्ली से कार में सवार हुए थे। दो युवक मेरठ में ही उतर गए थे। जबकि दो युवकों को चालक हरिद्वार लेकर जा रहा था।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

देवप्रयाग में हाइड्रा क्रेन और स्कूटी की टक्कर, धनारी में वाहन से टकराई बाइक

टिहरी/उत्तरकाशी। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर सोमवार को तीनधारा ध्रुव होटल के पास हादसा हो गया। हाइड्रा क्रेन और स्कूटी की जबरदस्त टक्कर हो गई। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। थानाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत ने बताया कि ऋषिकेश व्यासी से एक हाइड्रा क्रेन वाहन श्रीनगर की ओर आ रहा था। तीनधारा के पास पहाड़ी में जाली का काम चल रहा था, इसी दौरान चालक ने अचानक ब्रेक लगा कर वाहन को रोक दिया। जिससे पीछे से आ रही एक एक्टिवा वाहन से टकरा गई। जिसमें सवार चंद्रपाल सिंह(40) पुत्र गोविंद राम और नंदराम 45)पुत्र गोपाल राम निवासी नजीबाबाद जिला बिजनौर को गंभीर चोटें आ गई। दोनों घायलों को तत्काल बागी हॉस्पिटल देवप्रयाग भेजा गया था। उन्होंने बताया कि

चंद्रपाल सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने क्रेन चालक अशोक कुमार और क्लीनर अमित कुमार को हिरासत में ले लिया है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वहीं हादसे में बाइक सवारों में से एक व्यक्ति की घटनास्थल पर मौत हो गई। सूचना पर पुलिस टीम और 108 एम्बुलेंस घटनास्थल कपर पहुंची और शव को अस्पताल पहुंचाया। उत्तरकाशी के डुंडा तहसील क्षेत्र के धनारी मोटरमार्ग पर सोमवार शाम को हादसा हो गया। एक बाइक और एक अन्य वाहन की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवारों में से एक व्यक्ति की घटनास्थल पर मौत हो गई। सूचना पर पुलिस टीम और 108 एम्बुलेंस घटनास्थल कपर पहुंची और दूसरे घायल को अस्पताल पहुंचाया।

संविधान दिवस पर अधिकारियों कर्मचारियों को दिलाई शपथ

रूद्रपुर/गदरपुर(उद संवाददाता)। संविधान दिवस के उपलक्ष्य पर जिलाधिकारी उदयराज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र हमारे देश भारत के लोकतंत्र की शक्ति हमारा संविधान ही है। हमें संविधान में निहित मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए और प्रयास करना चाहिए कि संविधान के अनुरूप स्वतंत्रता, समता और न्याय हर नागरिक को समान रूप से प्राप्त हो जिससे नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़े। जिलाधिकारी ने संविधान निर्माताओं को नमन करते हुए सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दीं व समस्त कलेक्ट्रेट कर्मचारियों को प्रस्तावना के अनुरूप शपथ दिलाई। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, ओसी कलेक्ट्रेट गौरव

पांडेय, तहसीलदार रूद्रपुर दिनेश कुटौला, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गणेश चन्द्र आर्य सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।**गदरपुर।** नगर पालिका परिसर में संविधान दिवस के रूप में मनाये जाने के उपलक्ष्य में संविधान के प्रति समर्पित रहने की भावना को लेकर शपथ ग्रहण करवाया गया। उल्लेखनीय हो कि प्रत्येक वर्ष समारोह के हिस्से के रूप में संविधान में निहित मूल्यों और सिद्धांतो को उजागर करने और दोहराने के उद्देश्य से कई गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। इसी क्रम में भारत सरकार सभी सरकारी कार्यालयों, अधनीस्थ कार्यालयो, स्वायत्त निकायों,संगठनो और शैक्षणिक संस्थानो सहित अन्य संस्थानो में इसकी विचारधारा को बनाए रखने एवं हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि हेतु पोर्टल पर ऑनलाईन प्रस्तावना पढ़ने और प्रमाण पत्र डाउनलोड करने का भी प्रावधान किया गया है। गदरपुर नगर पालिका परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में संविधान की रक्षा हेतु कर्मचारियों को शपथ करवाते हुए संविधान की रक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान प्रधान सहायक मुकेश भंडारी, विजेंद्र कुमार, जयपाल शर्मा, मुकेश कुमार, सोहनलाल, तौफीक, अरुण ,प्रिंस,राकेश कुमार, राजकुमार,यूरेन गुप्ता, अरविंद कुमार, दया जोशी एवं प्रभा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला बंदियों के लिए कारागार में सिलाई कार्यशाला का उद्घाटन

नैनीताल(उद संवाददाता)। माननीय उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार एवं माननीय जिला न्यायाधीश महोदय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल ,श्री सुबीर कुमार जी के मार्गदर्शन में सोमवार को सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल श्रीमती बीनू गुलियानी की अध्यक्षता एवं इंडिपेंडेंट थॉट (नेशनल ह्यूमन राइट ऑर्गनाजेशन) के तत्वाधान में उप कारागार, हल्द्वानी में पुनर्वास परिवर्तन की यात्रा कार्यक्रम का आयोजन एवं महिला बंदियों के लिए सिलाई कार्यशाला का उदघाटन किया गया। अध्योजित कार्यक्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,द्वारा बताया गया कि माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल से समय समय पर प्राप्त निर्देशों के क्रम में बंदियों के कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं

कार्यशाला का आयोजन किया जाता है ताकि वह रोजगार हेतु सक्षम बन सकें। पूर्व में भी कारागार में माननीय न्यायमूर्ति श्री मनोज कुमार तिवारी जी के नेतृत्व में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल द्वारा जिला उद्योग विभाग के सहयोग से बेकरी की स्थापना की गई ।सचिव द्वारा बताया यह भी बताया गया कि पूर्व में भी माननीय न्यायमूर्ति, माननीय उत्तराखंड उच्च न्यायालय, श्री मनोज कुमार तिवारी जी द्वारा निर्देशित किया गया था कि महिला बंदियों के कौशल विकास हेतु भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएं । श्री विक्रम श्रीवास्त इंडिपेंडेंट थॉट के फाउंडर द्वारा बताया गया कि उनकी संस्था भारत वश में बंदियों को कारागार से रिहा होने के उपरांत भी पुनर्वास में योगदान प्रदान करती है, बंदियों को रिहा होने के उपरांत समाज में आने वाली परेशानियों से अवगत कराते हुए किस प्रकार से उनकी संस्था उनको रोजगार प्राप्त करने एवं सुखमय जीवन व्यतीत करने में में सहयोग करती है ,पर प्रकाश डाला गया। अधीक्षक कारागार श्री प्रमोद कुमार पांडेय द्वारा बताया गया कि महानिरीक्षक कारागार द्वारा भी समय समय पर बंदियों के कौशल विकास हेतु निर्देशित किया जाता है,जिनके मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल एवं इंडिपेंडेंट थॉट के संयुक्त तत्वाधान में आज इस कार्यशाला का उदघाटन किया गया है। कार्यक्रम का संचालन इंडिपेंडेंट थॉट संस्था से विद्वान अधिवक्ता श्री वरुण पाठक द्वारा करते हुए बताया गया कि जिला नैनीताल में उनकी संस्था 20 बंदियों की रिहाई के उपरांत पुनर्वास में सहायता कर चुके हैं। इस अवसर पर कारागार अधीक्षक श्री प्रमोद पाण्डेय, प्रभारी कारापाल श्री रामपाल सिंह, मुख्य फार्मासिस्ट श्री कमल सिंह के अतिरिक्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के पैनल अधिवक्ता, पी एल वी,इंडिपेंडेंट थॉट संस्था के अधिवक्ता,संस्था की टीम एवं संस्था से लाभान्वित पुनर्वासित बंदियों, उनके परिजन , कारागार में निरुद्ध पुरुष एवं महिला बंदी उपस्थित रहे।

पेज एक का शेष...

सशक्त भू कानून को लेकर...नगरीय क्षेत्र में शामिल हुए हैं और 50 हजार हैक्टेयर कृषि भूमि को खुर्द-बुर्द करने का रास्ता खोल दिया गया। साथ ही भूमि कानून के बिल को विधानसभा में पारित करने से पूर्व इसके ड्राफ्ट को जन समीक्षा के लिए सार्वजनिक किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि निवेश के नाम पर दी गई जमीनों का ब्यौरा और इससे मिले रोजगार को सार्वजनिक किया जाय। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने 250 वर्ग मीटर से अधिक जमीन खरीदी है, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाय। समिति ने कहा कि मूल निवासियों को चिह्नित किया जाए। वहीं, 90 प्रतिशत नौकरियों और सरकारी योजनाओं में मूल निवासियों की भागीदारी होनी चाहिए। मूल निवास, भू कानून समन्वय संघर्ष समिति के आंदोलन को पूर्व सैनिक संगठन, महिला मंच, आंदोलनकारी मंच, उत्तराखंड संयुक्त आंदोलनकारी मंच, पहाड़ी स्वाभिमान सेना, धाद, देवभूमि संगठन, महानगर ऑटो यूनियन, दून गढ़वाल जीप कमांडर कल्याण समिति, उपनल महासंघ, अतिथि शिक्षक संगठन, पूर्व कर्मचारी संगठन, ओपीएस संगठन, चारधाम महापंचायत, गढ़ कुमाऊं मंडल, गढ़वाल सभा, उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन, राठ महासभा, आर्यन छात्र संगठन सहित कई संगठनों का समर्थन मिला है।

हादसे में तीन युवकों...मलिक पर्याप्त फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने जरूरी जानकारी जुटाने के बाद मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए उसे पीएम हाउस भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद मृतकों के शवों को पुलिस ने परिजनों के हवाले कर दिया। उधर दूसरी ओर मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में गंभीर रूप से घायल फैज व नसीम की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

जनहित के मुद्दों पर ..के फैलने का अंदेशा होता है इसलिए घातक बीमारी से निपटने को समय-समय पर फॉगिंग आदि कराना सुनिश्चित किया जाए साथ ही शहर की सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाए ताकि रोड एक्सीडेंट जैसी घटनाओं से हद तक निजात मिल सके। धरना प्रदर्शन करने वालों में कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष संदीप सहगल, अलका पाल, शफीक अंसारी, अब्दुल सलीम एडवोकेट, शेख अब्दुल अजीज कुरैशी आदि दर्जनों कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल रहे

पत्रकार को कप्तान से ...वही उनका जबाब होगा, पत्रकार उसी जबाव को प्रकाशित करेंगे। बात यहीं पर समाप्त नहीं हुई। इसके कुछ देर बाद ही पुलिस पत्रकार महेन्द्र मौर्य के पीछे लग गयी। करीब दो घंटे बाद पुलिस ने पत्रकार महेन्द्र की जिला पंचायत के पास सड़क के किनारे खड़ी बाइक को सीज करके जब्त कर लिया। इसे लेकर जिले भर के पत्रकार हैरान हैं। पुलिस के इस व्यवहार को लेकर पत्रकारों में रोष है।

संविधान दिवस पर ..दिलाई और नागरिकों को संविधान संवत् रहकर देश और प्रदेश की प्रगति में योगदान की अपील की। पद यात्रा से पहले मंत्री ने कहा संविधान दिवस पूरे भारत वर्ष के लिए गौरव का दिन है। बाबा साहब के जीवन के संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा बाबा साहब के जन्म से देश को संविधान देने तक जिस अमानवीय व्यवहार को उन्होंने देखा बावजूद इसके उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और शिक्षा व ज्ञान को हथियार बनाकर संविधान रूपी ग्रंथ की रचना कर डाली। मंत्री रेखा आर्या ने कहा बाबा साहब के जीवन से हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेकर सिखाना चाहिए कि मनुष्य अगर दृढ़ शक्ति और मेहनत से कार्य करे तो वे जीवन के संघर्षों पर जीत प्राप्त कर सकते हैं. मंत्री ने कहा अगर भारत को आगे बढ़ाना है तो हम सभी को संविधान संवत् रहकर चलाना होगा तभी हमारा देश तरक्कघ और विकास के पथ पर अग्रसर होगा।

राज्य अतिथि गृह का किया शुभारम्भ

देहरादून/नई दिल्ली (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सोमवार को नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में नवनिर्मित उत्तराखण्ड राज्य अतिथि गृह 'उत्तराखण्ड निवास' का भ्रमण किया और अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि पहाड़ी शैली में बना यह भवन

हमारी कला, संस्कृति और वास्तुकला का अनूठा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड निवास प्रदेशवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन को बढ़ावा देगा।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

शिविर में 29 दिव्यांग जनों को कृत्रिम अंग प्रदान किए

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।भारत विकास परिषद विवेकानन्द शाखा रुद्रपुर द्वारा विवेकानन्द सेवा केंद्र में आयोजित निशुल्क दिव्यांग सहायता शिविर में 29 दिव्यान्ग जनों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। शिविर का शुभारम्भ भारत विकास परिषद के प्रान्तीय उपाध्यक्ष संजय राधू, प्रान्तीय दायित्वधारी वीरेन्द्र सुखीजा, विवेकानन्द सेवा केंद्र के अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विमल अरोरा एवं शाखा अध्यक्ष हरीश ग्रोवर द्वारा भारत माता एवं स्वामी विवेकानन्द जी के चित्रों के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। सेवा केंद्र के कोषाध्यक्ष विमल अरोरा ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत विकास परिषद विवेकानन्द शाखा रुद्रपुर द्वारा स्थापित विवेकानन्द सेवा केंद्र के माध्यम से यह तृतीय दिव्यांग सेवा शिविर आयोजित किया जा रहा है, सेवा केंद्र द्वारा दिव्यांग जनों के कटे हुए हाथ एवं पैर का नाप लेकर उन्हें कृत्रिम अंग बनाकर प्रदान किए जाते हैं, जिन दिव्यांग जनों के नाप 10 नवम्बर के शिविर में लिए गए थे, उन्हें आज के शिविर में कृत्रिम अंग प्रदान किए जा रहे हैं। सेवा केंद्र के अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल ने बताया की दिव्यांग जनों की सेवा हेतु यह सेवा केंद्र प्रारंभ किया गया था जिसमें अभी तक तीन शिविरों के माध्यम से 100 से अधिक दिव्यान्ग जनों को कृत्रिम अंग प्रदान किए जा चुके हैं, उन्होंने बताया कि यह कार्य समाज के सहयोग से भारत विकास परिषद विवेकानन्द शाखा रुद्रपुर द्वारा किया जा रहा है, उन्होंने इस कार्य में अधिक से अधिक सहयोग की अपील करते हुए इस प्रकल्प की जानकारी अधिक से अधिक दिव्यांग जनों तक पहुँचने की अपील है। शिविर में 29 दिव्यांग जनों को 33 कृत्रिम अंग एवं केलिपर्स उपलब्ध करवाए गए। शिविर में शाखा सचिव अक्षय गहलौत, कोषाध्यक्ष अभि अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, आदित्य गौतम, शीशपाल सिंह, दीपक उपस्थित रहे।

समाजसेवी एवं प्रतिष्ठित कारोबारी अशोक मुंजाल का आकस्मिक निधन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। शहर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रतिष्ठित कारोबारी अशोक मुंजाल का आज प्रातः आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। तमाम राजनैतिक सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े लोगों ने उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया। आदर्श कालोनी निवासी 58 वर्षीय अशोक मुंजाल पिछले कुछ माह से अस्वस्थ थे। परिजनों ने दिल्ली मुम्बई सहित कई अस्पतालों में उनका उपचार कराया लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। आज प्रातः करीब 9 बजे उन्होंने आदर्श कालोनी स्थित अपने निवास पर अंतिम सांस ली। समाजसेवी अशोक मुंजाल के निधन का समाचार मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। शोक व्यक्त करने के लिए तमाम राजनैतिक

सामाजिक और धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों का उनके निवास पर तांता लग गया। स्वर्गीय अशोक मुंजाल अपने पीछे दो पुत्र दो पुत्रियों का भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। अशोक मुंजाल धार्मिक और सामाजिक कार्यों में हमेशा अग्रणी रहे। चार वर्ष पूर्व अपनी माताजी श्रीमती राजरानी के निधन के पश्चात वे सुविधा होटल के पास स्थित कुटिया संत बाबा गोपाल सिंह जी डेरा भजनगढ़ में मुख्य सेवादार के रूप में गुरूद्वारा की सेवा कर रहे थे। साथ ही अपने पुत्र आशीष मुंजाल और विक्की मुंजाल के साथ पिछले कई वर्षों से रोडवेज के पास स्थित सुपर मार्केट में रेडिमेड का होल सेल का कारोबार कर रहे थे। इसी माह 17 नवंबर को उनकी छोटी पुत्री का विवाह हुआ था। दोपहर बाद गमगीन माहौल में किच्छा रोड स्थित रामबाग शमशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को दी एनआरसी और डीईआईसी सुविधा की जानकारियां

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे स्वस्थ भारत परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवम सुपरवाइजर लखविंदर कौर भी उपस्थित रहीं। आयोजित कार्यक्रम में सभी कार्यकतियों को एनआरसी, डीईआईसी इत्यादि सुविधा के बारे मे विस्तार से जानकारियां प्रदान की गई। साथ ही ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन द्वारा चल रहे स्वस्थ भारत परियोजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यो को विस्तार से बताया गया। ब्रिटानिया न्यूट्रिशन

फाउंडेशन द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र के लिए वाटर फिल्टर वितरित किए गए। ताकि बच्चों को स्वच्छ जल प्राप्त हो सके और वह दूषित पानी से होने वाली बीमारियों से बचे रहे। इस कार्यक्रम में ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन के डीपीओ मोहित सक्सेना, सुप्रिया पाठक, सुनीता गोस्वामी, अनुज सिंहा, पूनम शर्मा, निष्ठा सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

संघर्षों में रहकर भी श्री कृष्ण ने किया कर्तव्यों का पालन: आचार्य कुलदीप

आर्य समाज का 74 वां वार्षिकोत्सव प्रारंभ

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। भगवान श्री कृष्ण ने संघर्षों में रहकर भी अपने कर्तव्यों का हमेशा पालन किया था। जिसका अनुसरण हर व्यक्ति को करना चाहिए। यहां आर्य समाज के 74 वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित संगीतमय वैदिक श्री कृष्ण कथा के द्वितीय दिवस को प्रातः योगीराज श्री कृष्ण जी महाराज की कथा का प्रारंभ करते हुए आचार्य कुलदीप जी ने बताया कि श्री कृष्ण का जीवन आप्त पुरुषों के सदृश है। जन्म से लेकर मृत्यु पर्यंत उन्होंने कोई भी पाप कर्म नहीं किया। संघर्षों में रहकर भी अपने कर्तव्य का पालन किया। उनके जन्म की घटना का सविस्तार वर्णन करते हुए आचार्य जी ने बताया कि देवकी कंस के समक्ष खड़े होकर के संकल्प लेती है कि मै इस राष्ट्र को ऐसी दिव्य संतान दूंगी जो खंड-खंड हुए भारत को अखंड भारत में परिवर्तित करेगा। तेरे किए हुए पाप कर्मों का दंड तुझे देगा। जिसके बाद कंस ने देवकी और वासुदेव को जेल में डाल दिया। परंतु वह फिर भी राष्ट्र के प्रति अपने जीवन के कर्तव्य कर्मों का पालन कर रहे हैं। कोई समझौता उसमें नहीं करते

कर्तव्य कर्मों का पालन जब होता है तभी राष्ट्र उन्नति शील होता है। उन्होंने कहा कि मतमतरों से विहीन जो राष्ट्र होता है वह उत्तम राष्ट्र होता है। योगीराज ने कहा कि श्री कृष्ण जी महाराज की कथा हमें हमारे जीवन में कर्तव्य निष्ठा की प्रेरणा देती है। नित्य प्रति कथा के प्रसंग आगे बढ़ते जाएंगे और क्या-क्या हमारे कर्तव्य कर्म हैं जो भगवान श्री कृष्ण जी महाराज ने बताएं उनकी चर्चा करेंगे। कथा के दौरान आचार्य जी ने सुंदर भजनों का गायन भी किया। आज योगीराज श्री कृष्ण जी महाराज के जन्म की कथा पूज्य आचार्य जी के श्री मुख से सुनने के लिए मिलेगी। इससे पूर्व प्रातः काल यजवेदी पर बैठकर आचार्य प्रभात शास्त्री जी ने यज्ञ करवाया। जिसमें सभी यजमानों श्रीमती शिखा तायल, मधुर अग्रवाल, श्रीमती अंजू, जय प्रकाश, श्रीमती आभा, रामबाबू वर्मा, श्रीमति ईप्सा व तुषार वर्मा ने बड़ी श्रद्धापूर्वक आहुति प्रदान की। कथा समापन पर जवाहर लाल तनेजा परिवार की ओर से प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर पुरोहित भजनोपदेशक प. प्रभात आर्य, आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखंड प्रधान डीपी यादव, पृथ्वीराज आर्य, अमित वासन, राजेन्द्र चांदना, रमन सिब्बल, सतीश तनेजा, महावीर प्रसाद गर्ग, अमित आर्य, सुरेश चंद्र गुप्ता, हरीश तनेजा, जवाहर लाल तनेजा, सोमनाथ कालड़ा, सुधीर ग्रोवर, डा. रतनलाल अरोरा, बजरंग लाल गर्ग, राज कुमार गुलाटी, यशपाल तनेजा, अलका तनेजा, बिन्नी चांदना, संतोष रानी, शशि यादव, निधि वासन, रेनू कुकरेजा, लक्ष्मी देवी आर्य, चंचल तनेजा, सीमा गुलाटी, पूनम कालरा, द्रोपदी देवी आदि सहित आर्य समाज स्कूल का स्टॉफ व विद्यार्थी मौजूद थे। गत दिवस प्रातः पूर्व प्रधान जवाहर लाल तनेजा व वर्तमान प्रधान पृथ्वीराज आर्य द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया था।जबकि सायंकाल निवर्तमान मेयर रामपाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर कथा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वार्षिकोत्सव का समापन आगामी 2 दिसम्बर को होगा।